जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 356 प्रभात कोटा, गुरूवार 9 अक्टूबर, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'अगर हमें पंद्रह सीटों से भी कम सीटें दीं तो हम चुनाव नहीं लड़ेंगे?'

पूर्व मु.मंत्री जीतन राम मांझी ने एनडीए को साथ में यह भी विश्वास दिलाया कि वे फिर भी एनडीए का हिस्सा बने रहेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए के अंदर परेशानी के संकेत दिख रहे हैं। एनडीए के सहयोगी जीतन राम मांझी ने कहा है कि अगर उनकी पार्टी, हिंदुस्तान आवाम मोर्चा को कम से कम 15 सीटें नहीं दी गईं तो पार्टी चुनाव नहीं लड़ेगी।

तथापि, पूर्व मुख्यमंत्री मांझी ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी एनडीए गठबंधन में ही बनी रहेगी। बताया जा रहा है कि भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने मांझी से बात कर उन्हें शांत करने की कोशिश की है।

मांझी ने कहा, "हम एनडीए नेताओं से प्रार्थना कर रहे हैं, क्योंकि हम अपमानित महसूस कर रहे हैं। हमें इतनी सीटें तो चाहिए कि हमारी पार्टी को पहचान मिल सके। अगर हमें प्रस्तावित सीटें नहीं दी गईं, तो हम चुनाव नहीं लड़ेंगे। हम एनडीए का समर्थन करेंगे, लेकिन चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे। मुझे मुख्यमंत्री नहीं बनना है, बस हमारी पार्टी को मान्यता मिलनी चाहिए।"

अगले महीने होने वाले बिहार चुनाव के लिए एनडीए के सहयोगियों ने अभी तक सीटों के बंटवारे के फॉर्मूले की घोषणा नहीं की है। सूत्रों के अनुसार, जेडीयू और भाजपा 243 सीटों में से लगभग 100-100 सीटों पर चुनाव लड़ सकते हैं। चिराग पासवान की एलजेपी (राम विलास) को लगभग 24 सीटें, मांझी की पार्टी को 10 और उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी को करीब छह सीटें दी जा सकती हैं। मांझी के अलावा, चिराग पासवान भी इस सीट-संख्या से खुश नहीं हैं और कम से कम 40 सीटों की मांग कर रहे हैं।

इससे पहले, बिहार चुनाव के लिए एनडीए में सीट बंटवारे पर अपनी मांग का संकेत देते हुए, मांझी ने कवि रामधारी सिंह दिनकर की प्रसिद्ध कविता रश्मिरथी की पंक्तियों में बदलाव करते हुए कहा कि उन्हें "15 गाँव" यानी 15 सीटें चाहिए।

आज सुबह एक्स पर एक पोस्ट में मांझी ने दिनकर की कविता की पंक्तियाँ कुछ इस तरह लिखीं-"हो न्याय अगर तो आधा दो, यदि उसमें भी कोई बाधा हो, तो दे दो केवल 15 ग्राम, रक्खो अपनी धरती तमाम, हम वही खुशी से खायेंगे, परिजन पे असि न उठायेंगे।" इन पंक्तियों का अर्थ है- "हमें सिर्फ 15 गाँव दे दो, बाकी सब रख लो। हम खुश रहेंगे और अपने ही लोगों के खिलाफ हथियार नहीं उठाएंगे।"

मूल कविता में दिनकर ने पाँच पाण्डवों के लिये "5 ग्राम," यानी पाँच गाँव लिखे थे। मांझी ने इसे बदलकर '15' कर दिया।

- **मांझी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने यह निर्णय इसलिए लिया है कि इतनी कम सीटें मिलती हैं तो वो और पार्टी अपमानित महसूस करते हैं।**
- **मांझी ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के काव्य ग्रंथ रश्मिरथी की निम्न पंक्तियाँ प्रस्तुत कीं, अपनी व्यथा उजागर करने के लिए। भगवान श्री कृष्ण ने महाभारत का युद्ध टालने की दृष्टि से अंतिम प्रयास में कौरवों से कहा था-**

''हो न्याय अगर तो आधा दो
यदि उसमें भी कोई बाधा हो
तो दे दो केवल पंद्रह ग्राम
रखो अपनी धरती तमाम
हम वहीं खुशी से खाएंगे
परिजन पर असि न उठायेंगे''

दिनकर ने पांडवों के लिए पाँच ग्राम मांगे थे, मांझी ने परिवर्तन करके पंद्रह ग्राम की बात कही है।

कांग्रेस ने प्रमोद जैन भाया को अंता से प्रत्याशी बनाया

जयपुर, 08 अक्टूबर। राजस्थान में आगामी 11 नवंबर को होने वाले बारां जिले में अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार की बुधवार को घोषणा कर दी और पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया को चुनाव मैदान में उतारा है।

कांग्रेस के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने उम्मीदवार की घोषणा का पत्र जारी करते हुए बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी के रुप में भाया के नाम को मंजूरी दी है।

- **कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने विधानसभा उपचुनाव के लिए उनके नाम की घोषणा की।**

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाया को उपचुनाव में उम्मीदवार बनाये जाने पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि जनसेवा के प्रति उनके समर्पण एवं आमजन के मुद्दों को ताकत देने के लिए जनता उन्हें भरपूर आशीर्वाद देगी और कांग्रेस को विजयी बनायेगी।

उल्लेखनीय है कि अंता से पिछले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार के रुप में विधायक चुने गये कंवरलाल मीणा को एक मामले में न्यायालय द्वारा दोषी ठहराने के बाद उन्हें विधायक पद से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जैसे-जैसे चुनाव की तिथियाँ नज़दीक आ रही हैं बंगाल में चुनावी हिंसा भी बढ़ रही है

नवीनतम उदाहरण हैं, भाजपा सांसद खगेन मुर्मू, जो उत्तरी बंगाल के बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा कर रहे थे, उनके साथ भारी मारपीट हुई, प्रतिद्वंदी टीएमसी के कार्यकर्ताओं द्वारा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। जैसे-जैसे चुनावी मौसम करीब आ रहा है, पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का स्तर भी बढ़ता जा रहा है।

नवीनतम घटना के अन्तर्गत, सत्तारूढ़ दल के गुंडों ने उत्तर बंगाल के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर रहे वरिष्ठ भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। हथियारबंद लोगों ने उनके छोटे से काफिले पर धावा बोला और उनकी कार तोड़ डाली।

टीएमसी के लोगों ने मुर्मू को पहचान लिया और उन पर हमला कर दिया, जिससे वे लहूलुहान हो गए। उनके चेहरे पर चोटें आईं और बाएं गाल पर कई ज़ख़्म हुए। बताया गया कि उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उन्हें दूसरी गाड़ी से स्थानीय अस्पताल ले जाया गया।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि कुछ शरारती तत्वों ने मुर्मू के काफिले पर हमला किया, क्योंकि उन्हें लगा कि वे बाढ़ राहत कार्यों में बाधा डाल रहे हैं।

बाद में मीडिया से बात करते हुए खगेन मुर्मू ने कहा कि यह हमला पहले से सोची-समझी साजिश के तहत किया गया था, ताकि उन्हें बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा करने से रोका जा सके। वे इन क्षेत्रों की हालत देखने और राहत सामग्री का प्रबंध करने के लिए गए थे।

तथापि, टीएमसी नेताओं का कहना है कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में बहुत सारे नेताओं के आने से बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री समय पर नहीं पहुंच पा रही। उनका कहना है कि ये नेता बड़े-बड़े काफिलों के साथ जा रहे हैं, जिससे राहत कार्य बाधित हो रहे हैं।

तथापि, जानकार लोगों का मानना है कि राज्य विधानसभा चुनावों की जंग अब वास्तव में शुरू हो चुकी है। दोनों मुख्य दल विभिन्न इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिशों में जुटे हैं। राजनीतिक हलकों में यह माना जा रहा है कि टीएमसी, भाजपा नेताओं पर अपना गुस्सा निकाल रही है, क्योंकि भाजपा ने त्रिपुरा में टीएमसी के दफ्तर पर हमला कर उसे लगभग नष्ट कर दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ममता बनर्जी ने घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि स्थानीय लोगों ने मुर्मू के साथ मारपीट इसलिए की, क्योंकि उनके दौरे के कारण राहत सामग्री के वितरण में बाधा पहुँची थी।**
- **पर, जानकार सूत्रों का कहना है कि चुनावी सरगर्मी बढ़ने से राजनीतिक प्रतिद्वंदिता चरम पर पहुँच गई है और राजनीतिक दल एक दूसरे के क्षेत्र में गंभीरता से घुसपैठ करने लगे हैं, जो कालांतर में और तीव्र होगी।**

कितागावा, रॉबसन व याघी को रसायन का नोबेल पुरस्कार घोषित

"मेटल आर्गेनिक फ्रेमवर्क" के विकास क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए उनका चयन हुआ है

स्टॉकहोम, 08 अक्टूबर। रसायन विज्ञान का वर्ष 2025 का नोबेल पुरस्कार जापान के सुसुमू कितागावा, आस्ट्रेलिया के रिचर्ड रॉबसन और अमेरिका के उमर एम याघी को दिया जायेगा।

नोबेल पुरस्कार समिति ने बुधवार को यहां यह घोषणा की। समिति ने बताया कि इस साल का यह प्रतिष्ठित सम्मान क्योटो यूनीवर्सिटी जापान के वैज्ञानिक सुसुमू कितागावा, मेलबर्न विश्वविद्यालय आस्ट्रेलिया के रिचर्ड रॉबसन और बर्कले कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के उमर एम याघी को दिया जाएगा।

यह पुरस्कार "मेटल आर्गेनिक फ्रेमवर्क" के विकास क्षेत्र में उल्लेखनीय काम के लिए दिया जाएगा। नोबेल पुरस्कार समिति के अनुसार, इन वैज्ञानिकों ने बड़े अंतराल वाले आणविक ढ ांचे बनाने में सफलता हासिल की। इनमें गैसें और अन्य रसायन प्रवाहित हो सकते हैं।

इन धातु-कार्बनिक ढ ांचों का उपयोग रेगिस्तान में हवा से पानी इकट्ठा करने, कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने, विषाक्त गैसों को संग्रहित करने तथा रासायनिक प्रतिक्रियाओं को उत्प्रेरित करने के लिए किया जा सकता है। इसमें आगे कहा गया है कि धातु-कार्बनिक ढ ाँचों के विकास के माध्यम से, पुरस्कार विजेताओं ने वैज्ञानिकों को हमारे सामने आने वाली कुछ चुनौतियों का समाधान करने के नए अवसर प्रदान किए हैं।

पिछले कुछ दशकों में धातु-कार्बनिक ढ ाँचों के क्षेत्र का तेज़ी से विस्तार हुआ है। इनके बारे में जानकारी पहले से थी, लेकिन ऐसी संरचनाओं को पूर्वानुमानित रूप से डिज़ाइन और संश्लेषित करने की क्षमता के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

यह विस्तार काफी हद तक सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन और उमर एम. याघी के मौलिक कार्यों शोध के कारण हुआ।

इन्होंने इस विकास को बढ ावा देने वाले कई महत्वपूर्ण योगदान दिए। इन योगदानों में न केवल विभिन्न संरचनाओं और अनुप्रयोगों के कई प्रभावशाली उदाहरण शामिल हैं, बल्कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **इन धातु-कार्बनिक ढांचों का उपयोग रेगिस्तान में हवा से पानी इकट्ठा करने, कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने, विषाक्त गैसों को संग्रहित करने या रासायनिक प्रतिक्रियाओं को उत्प्रेरित करने के लिए किया जा सकता है।**

बार-बार अपील करने पर सरकार पर जुर्माना लगा

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कर्मचारी को पे-स्केल देने का विवाद तय हो जाने के बाद, राज्य सरकार की ओर से वापस अपील दायर करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही, अदालत ने उच्च शिक्षा विभाग पर दस हजार रुपए का हर्जाना लगाते हुए अपील को खारिज कर दिया है। जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस बीएस संधू ने ये आदेश राज्य सरकार की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि मामले में साल 2013 में ही आदेश जारी हो चुके हैं और उसकी अपील भी अदालत खारिज कर चुकी है। ऐसे में विभाग की ओर से बार-बार अपील क्यों लगाई जा रही है।

मामले से जुड़े अधिवक्ता तरुण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **हाई कोर्ट ने कहा कि सन् 2023 में आदेश जारी हो चुके हैं, पर विभाग की ओर से बार-बार अपील क्यों लगाई जा रही है।**

बिहार चुनाव में सभी सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करेंगे केजरीवाल

केजरीवाल का यह निर्णय प्रशांत किशोर की पार्टी की सफलता से पैदा हुई असुरक्षा की भावना है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रशांत किशोर, यानी 'पीके फैक्टर' ने आम आदमी पार्टी (आप) को बिहार विधानसभा चुनाव में उतरने के लिए प्रेरित किया है।

पहले भी आम आदमी पार्टी ने अपने प्रभाव क्षेत्र से बाहर के क्षेत्रों में अपना विस्तार करने की कोशिश की है तथा गोवा, गुजरात और हरियाणा में चुनाव लड़ने के फैसले कर चुकी है। लेकिन दिल्ली में झटका लगने के बाद, पार्टी ने अपनी नीति बदल ली और दिल्ली व पंजाब में अपनी स्थिति मजबूत करने पर ध्यान केन्द्रित किया।

बिहार के मामले में, आप के संस्थापक अरविंद केजरीवाल ने अपवादस्वरुप राज्य की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है और पहले चरण में 11 उम्मीदवारों की सूची भी जारी कर दी है। हालांकि बिहार में आप की मौजूदगी से इस पूर्वी राज्य के चुनावी समीकरण पर कोई खास असर पड़ने की उम्मीद नहीं है, लेकिन चुनाव लड़ने का फैसला इस असुरक्षा की भावना से उपजा प्रतीत होता है कि पार्टी के विकास मॉडल को प्रशांत किशोर की 'जन सुराज पार्टी' निगल सकती है।

बीते कुछ महीनों में यह अनिश्चितता बनी हुई थी कि आप बिहार चुनाव लड़ेगी या नहीं, जिसके चलते पिछले महीनों में पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए थे। इसलिए आप का यह फैसला आने वाले समय के लिए अपनी राजनीतिक संभावनाएँ जीवित रखने का प्रयास है, न कि इस चुनाव में कोई बड़ा असर डालने की कोशिश।

ऊपरी तौर पर, आप और जन सुराज पार्टी (जेएसपीयूआरए) में कुछ समानताएँ दिखती हैं। दोनों ही पार्टियाँ शासन का एक वैकल्पिक मॉडल पेश कर रही हैं, जो शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था में सुधार और भ्रष्टाचार खत्म करने पर केन्द्रित है। दोनों ही पार्टियों की सोशल मीडिया पर भी मजबूत मौजूदगी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **दिल्ली में हारने के बाद केजरीवाल ने नीतिगत निर्णय लिया था कि कई राज्यों में पैर पसारने की बजाय वे दिल्ली व पंजाब पर ही फोकस रखेंगे। बिहार में यह निर्णय इस नीति का अपवाद है।**
- **केजरीवाल व प्रशांत किशोर की राजनीतिक गतिविधियों में काफी समानता नज़र आती है। दोनों ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत भ्रष्टाचार खत्म करने के नारे से की थी।**
- **शिक्षा, जल, स्वास्थ्य आदि पर सोच, दोनों की करीब-करीब एक सी है।**
- **केजरीवाल को डर लगा कि प्रशांत किशोर यह मंच उनसे छीन लेंगे। चाहे वर्तमान चुनावों में उनकी पार्टी को कोई खास लाभ नहीं मिलेगा, किन्तु अपनी पहचान जीवित रखने के लिए बिहार में सब जगह उम्मीदवार खड़े किये हैं।**

एसआई पेपर लीक की सुनवाई 24 नवम्बर को

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 859 पदों की एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में दायर अपीलों पर बुधवार को 24 नवंबर तक सुनवाई टाल दी है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से एजी राजेन्द्र प्रसाद ने खंडपीठ को सुप्रीम कोर्ट की ओर से रोक लगाने के आदेश की जानकारी दी। जिस पर खंडपीठ ने पक्षकारों से मामले को लेकर अपनी लिखित बहस पेश करने के आदेश देते हुए सुनवाई 24 नवंबर को तय की है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा व जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश विक्रम सिंह पंवार व अन्य की अपीलों पर दिया।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ए.जी. राजेन्द्र प्रसाद ने हाई कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट के रोक लगाने के आदेश की जानकारी दी।**

स्थानीय मान्यताएँ व इकोलॉजी को ध्यान में न रखने की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है कैलाश पर्वत पर

गत वर्ष कैलाश पर्वत की अछूती ऊँचाइयों को पयर्टन स्थल में परिवर्तित करने की कोशिश से लगभग पाँच सौ चीनी पर्यटकों का जीवन भारी हिमपात के कारण संकट में पड़ा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। चीनी अधिकारी बेहद असंवेदनशील तरीके से व्यवहार कर रहे हैं और हिमालय के पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुँचा रहे हैं, साथ ही लोगों को भयंकर ठंड में मौत के खतरे में डाल रहे हैं।

एक चीनी सरकारी मुखपत्र ने गर्व से बताया कि पिछले साल मैदानों से पाँच लाख से अधिक लोग ऊँचे हिमालयी क्षेत्रों में गए। इससे हिमालय पर भारी मानव गतिविधि का स्थायी असर पड़ेगा।

ऐतिहासिक रूप से, तिब्बती लोग ऊँचे पहाड़ों में लोगों को जाने की अनुमति देने में बहुत सावधान रहते थे। वे मानते थे कि हिमालय देवताओं और देवियों का निवास है और इसलिए हिमालय की उच्चतम चोटियों पर जाने से मना करते थे।

लेकिन जब से चीन ने तिब्बत और ऊँचे हिमालयी इलाक़ों पर कब्जा किया, सब कुछ बदल गया है। चीन ने अपने असंवेदनशील विकास मॉडल को थोपते हुए, तिब्बती पठार को हान चीनी आबादी से भर देने की कोशिश की है, ताकि सदियों पुरानी तिब्बती संस्कृति व इतिहास और हिमालय के प्रति उनकी श्रद्धा को मिटाया जा सके।

अब तिब्बत के हिमाचल क्षेत्र में चीन के इस असंवेदनशील पर्यटन प्रयास के परिणाम सामने आ रहे हैं।

माउंट एवरेस्ट की पूर्वी ढलानों पर लगभग 300 लोग बर्फ़ीले तूफ़ान में फँस गए हैं और बचाव अभियान जारी है। कई लोगों की मौत हो चुकी है और कई हाइपोथर्मिया (शरीर का तापमान गिरना) से पीड़ित हैं।

पर्यटकों के साथ यह हादसा पिछले शनिवार को उस समय शुरू हुआ, जब बर्फ़बारी शुरू हुई। टैंट के भीतर से लिए गए कुछ वीडियोज़ में स्पष्ट नज़र आ रहा था कि कैसे टैंट के बाहर बर्फ़ धीरे-धीरे बढ़ रही थी।

सोमवार को भी 16,000 फीट से ऊपर लगभग 200 और लोग फँसे हुए थे। ऊँची ढलानों पर पर्वतारोहण उपकरण और हाई-टेक गैजेट्स भी अत्यधिक ठंड और तूफ़ानों में काम नहीं आए।

कई पर्यटकों ने कहा कि तापमान इतना गिर गया था और तूफ़ान इतना तेज था कि टैंट के अंदर भी एक पल भी सो नहीं पा रहे थे। वो लोग भीग गए और ठंड से काँपने लगे। कई पर्यटकों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **चीन के पर्यटन विभाग ने बड़े गर्व से ऐलान किया था कि चीन के मैदानी इलाकों से पाँच लाख पर्यटक भ्रमण करने गये थे। मूल तिब्बती कैलाश पर्वत को देवी-देवताओं का आवास मानते आये हैं, कोई घूमने की जगह नहीं। मॉउण्ट एवरेस्ट पर चढ़ना तिब्बतियों के अुनसार, लगभग निषेध था।**
- **तिब्बत की सरकार बारिश शुरु होने के बाद आम लोगों को वहाँ जाने के परमिट बंद कर देती है। ऐसा ही नेपाल भी करता आया है। चीन की सरकार ने तिब्बत की संवेदनशील सभ्यता को खत्म करने की नज़र से हान चीनियों को भारी संख्या में वहाँ भेजा।**
- **कैलाश पर्वत को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करना भी इसी दिशा में एक कदम था। बारिश के बाद कैलाश पर्वत पर मौसम अचानक कई बार बदलता है। तापमान माइनस तीस डिग्री तक जाता है और बर्फ से सबकुछ ढक जाता है। स्थानीय मौसम पर ध्यान न देने से सैंकड़ों चीनी पर्यटक बर्फ में दब गये और मुश्किल से निकाले गये।**

हाई कोर्ट ने विवि रजिस्ट्रार को चेतावनी दी

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को शपथ पत्र पेश कर यह बताने को कहा है कि विवि की ओर से आवंटित आवास को तय अवधि के बाद कितने लोगों ने खाली नहीं किया है। वहीं, ऐसे लोगों से जुर्माना वसूल करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं या नहीं। यदि इन्हें नोटिस जारी नहीं किए गए तो उन पर क्या कार्रवाई की गई है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि ऐसे मामले में कार्रवाई नहीं की गई है तो जुर्माना राशि के बराबर राशि रजिस्ट्रार के वेतन से वसूल की जाएगी। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सुभाष राठी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **अदालत ने पूछा कि जिन लोगों ने आवास खाली नहीं किया, उन पर क्या कार्यवाही की गई।**

विचार बिन्दु

कर्म वह आईना है जो हमारा स्वरुप हमें दिखा देता है। इसलिए हमें कर्म का एहसानमंद होना चाहिए। –विनोबा

एसएमएस अस्पताल हादसे से लोगों में गुस्सा: आपराधिक लापरवाही के असली जिम्मेदार कौन ?

देश के बड़े अस्पतालों में शुमार राजधानी जयपुर के सरकारी अस्पताल सवाई मान सिंह (SMS) के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू वार्ड में रविवार रात करीब सवा ग्यारह बजे भीषण आग लग गई, जिससे 6 गंभीर मरीजों की मौत हो गई। अब तक 8 जनों की मौत होने का समाचार है जबकि कई मरीजों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद वार्ड में फैले धुएं और जहरीली गैसों की भयावहता के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो ने से प्रदेश के लोग भयाक्रांत है। लोगों का कहना है राज के नाक के नीचे के अस्पताल की दुर्व्यवस्था देखकर प्रदेश के जिलों में अस्पतालों की व्यवस्था का सहज ही अंदाज लगाया जा सकता है। भीषण दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा देर रात अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों और डॉक्टरों से बात की। सरकार ने आग के कारणों, अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन प्रतिक्रिया की जांच के लिए 6 सदस्यीय कमिटी गठित की है। इस कमिटी की अध्यक्षता मेडिकल एजुकेशन के कमिश्नर इकबाल खान करेंगे और यह जल्द ही रिपोर्ट सौंपेगी। हादसे के बाद राजस्थान हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए सरकार को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि कहीं आग लग रही है, तो कहीं छत गिर रही है, यह क्या हो रहा है सरकारी इमारतों में? अदालत ने 9 अक्टूबर तक सभी जर्जर भवनों की मरम्मत का रोडमैप पेश करने का निर्देश दिया है।

राज्य सरकार ने अग्नि दुखांतिका में प्रत्येक मृतक के परिजन को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा की हैं। इसी बीच राज्य सरकार ने एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, ट्रोमा सेंटर के प्रभारी डॉ. अनुराग धाकड को पद से हटा दिया है एवं एसएमएस में पदस्थापित अधिशाषी अभियंता श्री मुकेश सिंघल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही, फायर सेफ्टी के लिए नियोजित एजेंसी एसके इलेक्ट्रिक कम्पनी की निविदा निरस्त करते हुए उनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दिए हैं। सोमवार सवेरे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस के नेता घटना स्थल पर पहुंचे। इसी के साथ सियासत भी शरू हो गई। विपक्षी नेताओं सहित लोग पूछ रहे है आखिर आग कैसे लगी और इन मौतों का जिम्मेदार कौन है।

अस्पताल सूत्रों ने बताया समय समय पर विभिन्न व्यवथाओं में सुधार के लिए उच्चाधिकारियों को मौखिक और लिखित में जानकारी दी गई थी मगर जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हादसे से दो दिन पहले ही ट्रोमा सेंटर इंचार्ज ने अस्पताल अधीक्षक को पत्र लिखकर चेताया था कि छत पर चल रहे ऑपरेशन थियेटर के निर्माण के काम से बिजली के पैनल क्षतिग्रस्त होने का खतरा है। इसका मतलब आईने की तरह साफ़ है कि ट्रोमा सेंटर का ओटी कॉम्पलेक्स जिसमें आईसीयू है वह एक महीने से हादसे के इंतजार में था। ओटी कॉम्लेक्स में करंट दौड़ रहा था। पानी टपक रहा था। दीवारे गीली हो रही थी। बिजली पैनल में पानी जाने से करंट आने लगा। कहा जा रहा है कि यह पानी बिजली के बोर्ड में गया होगा जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ।

यह भी कहा जा रहा है ट्रॉमा सेंटर की बिल्डिंग ज्यादा पुरानी नहीं है, इसके बावजूद इतनी बड़ी और भयावह दुर्घटना से कई सवाल उठना लाजिमी है। पारदर्शी, जनप्रिय और संवेदनशील होने का दावा करने वाली सरकार से लोग पूछ रहे है कि व्यवस्था बदहाल थी तो जिम्मेदारों ने समय पर ध्यान क्यों नहीं दिया। बारिश में पानी भरने, पलस्तर उखड़ने, वायरिंग जलने आदि की आम शिकायतें तो मीडिया की सुर्खियां आये दिन बनती रहती है। ट्रॉमा सेंटर में आग पर काबू पाने के पर्याप्त संसाधन ही नहीं थे। अगर फायर फायटिंग सिस्टम आईसीयू के पास पर्याप्त संख्या में होते तो आग पर तुरंत काबू पाया जा सकता था। यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि फायर सेफ्टी की समय समय पर जाँच क्यों नहीं की गई। फायर सेफ्टी का ट्रायल कब हुआ था? किसे ट्रेनिंग दी गई थी। कागजी कार्यवाही कर कहीं खानापूर्ति तो नहीं की गई। हालाँकि ये सब अब जाँच रिपोर्ट से ही खुलासा होगा।

इस हादसे से सबक लेकर प्रदेशभर के अस्पतालों में फायर सेफ्टी उपकरणों की जाँच शुरू हो गई है। एसएमएस हादसे के बाद सभी सम्बध सरकारी विभागों में खलबली मची है और उन्होंने सतर्क होकर अपने-अपने जिम्मे विभिन्न कार्यों की जाँच पड़ताल शुरू कर दी है। सरकार ने भी देरी से ही सही विधुत निरीक्षकों से तत्सम्बन्धी रिपोर्ट मांगी है। साथ ही व्यवस्था प्रभारी और अधीनस्थ अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद भी उच्चाधिकारियों द्वारा कोई अपेक्षित कार्यवाही नहीं करने की जांच भी की जा रही है। लोगों का कहना है यदि निष्पक्ष जाँच होती है तो कई जिम्मेदार नपेंगे और सिस्टम की खराबियों का खुलासा होगा।

पुलिस के उच्च सूत्रों के मुताबिक, ''प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट ही आग का कारण लगता है, लेकिन फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) की जांच के बाद ही आग के सटीक कारण का पता चलेगा। आग स्टोर रूम से शुरू हुई, जहां कागज, मेडिकल उपकरण और ब्लड सैंपल ट्यूब्स रखे थे, जो जल्दी भड़क उठे। अस्पताल प्रशासन ने प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण बताया है, साथ ही अधिकारियों का कहना है कि अंतिम कारण की पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। मिली जानकारी के अनुसार ट्रॉमा सेंटर की दूसरी मंजिल पर दो ICU हैं – ट्रॉमा ICU में 11 और सेमी ICU में 13 मरीज भर्ती थे। ट्रॉमा में शॉर्ट सर्किट से आग लगी, जो तेजी से फैली और जहरीली गैसें निकलने लगीं। शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग में 2 महिलाओं सहित 8 जनों की मौत हो गई। बताया जाता है अस्पताल के कर्मचारियों और मरीजों के तीमारदारों ने मरीजों को बाहर निकाला। सूचना मिलने के बाद दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और दो घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। वहीं प्रत्यक्षदर्शी परिजनों का कहना है, ICU शॉर्ट सर्किट में आग निकलने से पहले धुंवा निकलने लगा था, इसकी जानकारी वहां उपस्थित अस्पताल स्टाफ को दी गई मगर उन्होंने कोई कार्यवाही नहीं की। बाद में आग फैलते ही मौजूदा स्टाफ रफूचक्कर हो गया। परिजन अपने-अपने मरीजों को निकालने में जुट गए, उनमें कुछ को सफलता मिली और कुछ जहरीले धुंवे के शिकार हो गए। भयावह अफरा तफरी में लोग सड़कों पर मरीजों को लेकर आये जिनमें कुछ की तबियत उपचार नहीं मिलने से खराब हो गई।''

मृतकों के परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक परिजन पूरन सिंह ने बताया, ''स्पार्क लगते ही सिलेंडर के पास आग लग गई। धुआं पूरे ICU में फैल गया, सब भागने लगे। कुछ लोग अपने मरीजों को बचा ले गए, लेकिन मेरा मरीज अकेला रह गया। डॉक्टर, कंपाउंडर और अन्य स्टाफ के लोग भाग गए, किसी ने कोई मदद नहीं की। अन्य परिजनों ने भी इससे मिलती-जुलती जानकारी दी। परिजनों का आरोप है, फायर अलार्म नहीं बजा और सेफ्टी उपाय पूरी तरह नाकाफी थे।''

इस हादसे से सबक लेकर प्रदेशभर के अस्पतालों में फायर सेफ्टी उपकरणों की जाँच शुरू हो गई है। कई अस्पतालों में मॉक ड्रिल की गई है। सभी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरस्त किया जा रहा है। ध्यान देने की बात यह भी है कि अस्पतालों सहित प्रदेशभर की सरकारी इमारतों में समय-समय पर विधुत रखरखाव की निगरानी, पर्यवेक्षण की कोई सुचारु व्यवस्था नहीं है। एसएमएस हादेसे के बाद सभी सम्बध सरकारी विभागों में खलबली मची है और उन्होंने सतर्क होकर अपने-अपने जिम्मे विभिन्न कार्यों की जाँच पड़ताल शुरू कर दी है। सरकार ने भी देरी से ही सही विधुत निरीक्षकों से तत्सम्बन्धी रिपोर्ट मांगी है। साथ ही व्यवस्था प्रभारी और अधीनस्थ अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद भी उच्चाधिकारियों द्वारा कोई अपेक्षित कार्यवाही नहीं करने की जांच भी की जा रही है। लोगों का कहना है यदि निष्पक्ष जाँच होती है तो कई जिम्मेदार नपेंगे और सिस्टम की खराबियों का खुलासा होगा।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

विश्व भक्ति एवं ज्ञान पर्व अंतर्राष्ट्रीय भक्तामर दिवस

भाग चन्द जैन मित्रपुरा

अंतरराष्ट्रीय भक्तामर प्रभावना संघ की पहल पर विश्व शांति एवं भक्ति में निहित शक्ति के उद्देश्य से 09 अक्टूबर को प्रति वर्ष अंतरराष्ट्रीय भक्तामर दिवस मनाया जाता है। यह महाकाव्य किसी पंथ, संप्रदाय एवं धर्म विशेष का प्रोत्साहन नहीं करता है। हालांकि प्रथम श्लोक में 'युगादौ' एवं द्वितीय श्लोक में 'प्रथमं जिनेन्द्रम्' शब्दों के उल्लेख से यह माना जाता है कि इस युग के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान की स्तुति इस महाकाव्य में की गई है। कदाचित इसी कारण से इसे आदिनाथ स्तोत्र भी कहा जाता है।

इस महाकाव्य की रचना के पीछे एक रोचक कथा है। तत्कालीन मालवा प्रांत की धारा नगरी में राजा भोज का राज था। वे साहित्य, कला, विद्या के साथ संस्कृत में विशेष रुचि रखते थे। उनके दरबार में अनेक विद्वानों के साथ कवि कालिदास भी थे। दरबार में कालिदास ने दिगम्बर मुनि मानतुंग के प्रति अपमान जनक शब्द कहे जो धनंजय कवि को सहन नहीं हुए एवं उन्होंने कालिदास को शास्त्रार्थ करने की चुनौती दी। शास्त्रार्थ में धनंजय के उत्तर – प्रत्युत्तर से कालिदास निरुत्तर हो गए एवं इस लज्जा से बचने के लिए गुरु मानतुंग से शास्त्रार्थ करने हेतु राजा से निवेदन किया। राज भोज को इस तरह के शास्त्रार्थ में विशेष रुचि थी अत: मानतुंगाचार्य को दरबार में बुलाने हेतु अपना दूत भेजा। दूत द्वारा निवेदन करने पर मुनिराज ने कहा कि हम मुनियों का राज दरबार से कोई संबंध नहीं है, यह कह कर दूत को राज दरबार में जाने से मना कर दिया। राजा ने मुनिराज के पास कई बार सेवक भेजे, लेकिन मुनिराज नहीं आए। इस पर कुपित होकर राजा ने मुनिराज को बलात दरबार में बुलाया। मुनिराज ने उपसर्ग जानकर मौन धारण कर लिया एवं राजा के अनुरोध पर भी नहीं बोले। इस पर राजा ने क्रोधित होकर मुनिराज के हाथ पैरो में बेड़ियां डलवाकर उन्हें 48 कोठरियों के भीतर बंदीगृह में कैद कर ताले लगवा दिए।

आचार्य ने इस बंधन को समतापूर्वक स्वीकार कर लिया और भगवान की भक्ति में डूब गए तथा बंदीगृह में ही उन्होंने भक्तामर स्तोत्र महाकाव्य की रचना की। इस अनुपम भक्तिकाव्य की महिमा से एक – एक काव्य की रचना के साथ एक एक ताले स्वत: ही टूटते गए और सभी 48 दरवाजे खुल गए तथा मुनिराज बाहर आ गए। मुनिराज के तप एवं भक्ति के इस प्रभाव को देखकर राजा चमत्कृत हो गए। इस पर कालिदास ने मुनिराज पर उपसर्ग के प्रयोजन से कालिका देवी प्रकट की। मुनिश्री के तप के प्रभाव से प्रकट चक्रेश्वरी देवी को देखकर कालिका मुनिराजन से क्षमा मांगकर अदृश्य हो गई।अंतत: मुनिश्री के प्रभाव को देखकर राजा भोज एवं कालिदास ने नतमस्तक होकर उनसे क्षमा मांगी और उनकी स्तुति की साथ ही राजा ने मुनिवर से श्रावक के व्रत अंगीकार किए और राज्य में जैन धर्म की अद्वितीय प्रभावना हुई।

इस काव्य की रचना में उपमाओं एवं अलंकारों की बाहुल्यता एवं प्रत्येक पंक्ति में 14 पूर्णाक्षर होना इसकी विशेषता है। यह संस्कृत भाषा में वसंततिलका छंद में है। आराध्यदेव के गुणगान में मुनिवर निष्काम भावना ही निहित थी। मुनिवर ने बंदीगृह से मुक्ति या अन्य किसी भी तरह की याचना नहीं की थी। हम जानते है कि भगवान प्रत्यक्षत: कुछ नहीं देते, लेकिन भक्ति से अर्जित पुण्य से स्वहितार्थ सुख की प्राप्ति होती है एवं वह भय से मुक्त रहता है। भक्तामर स्तोत्र का एक एक श्लोक जीवन में व्याप्त सभी तरह की कठिनाइयों में हीलिंग का कार्य करता है। श्रद्धालुजन भक्तामर स्तोत्र को असाध्य रोगों में हीलिंग थेरेपी के रूप में अपना रहे है, इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इसकी रिसर्च जारी है।

संकलन : भाग चन्द जैन मित्रपुरा,
अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर

राजस्थान गैरकानूनी धर्मांतरण विधेयक : संविधान सभा की अभीप्सा साकार हो रही है

सूर्यप्रताप सिंह राजावत

राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 की प्रस्तावना, मिथ्या निरूपण, भ्रामक सूचना, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव, प्रलोभन, ऑनलाइन याचना, या किसी भी कपटपूर्ण तरीके से, या विवाह या विवाह के बहाने, एक धर्म से दूसरे धर्म में अवैध रूप से धर्म परिवर्तन पर प्रतिबंध लगाने और उससे संबंधित सभी मामलों के लिए प्रावधान करती है। सभ्य समाज इस विधेयक 2025 का स्वागत करता है क्योंकि यह एक धर्म से दूसरे धर्म में धर्म परिवर्तन को दंडित करता है, जहाँ धर्म परिवर्तन स्वतंत्र सहमति से नहीं किया गया हो।

विश्व में विवाह को सभ्य समाज का एक महत्वपूर्ण पहलू माना जाता है जहाँ आपसी विश्वास और पवित्रता रिश्ते की नींव होती है। यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि विशेष विवाह अधिनियम, मुस्लिम विवाह अधिनियम, ईसाई विवाह अधिनियम, हिंदू विवाह अधिनियम आदि विवाह में धोखाधड़ी के तत्व को तलाक के वैध और कानूनी आधारों में से एक मानते हैं। कैविएट एम्प्टर के सिद्धांत का उपयोग विवाह के लिए नहीं किया जा सकता है। भारत में विवाह एक व्यक्तिगत कार्य नहीं है बल्कि इसमें परिवार के अन्य सदस्य भी शामिल होते हैं। इसलिए, विधेयक को पढ़ने से कानून का डर उनको पैदा होता है जो धोखाधड़ी और इसी तरह के कारकों के प्रभाव में विवाह के अनुष्ठान और धर्म परिवर्तन को लेकर बेईमानी से काम करते हैं। यदि विवाह केवल धर्मांतरण के उद्देश्य से किया जाता है, या इसके विपरीत धर्मांतरण विवाह के उद्धेश्य के लिए किया जाता है, विधेयक 2025 की योजना के अनुसार सक्षम न्यायालय द्वारा अमान्य घोषित किया जाएगा।

विधेयक 2025 का एक संक्षिप्त अवलोकन यह स्पष्ट करता है कि कुछ कृत्यों द्वारा अवैध धर्मांतरण की पहचान की गई है। ऐसी प्रक्रिया का प्रावधान किया गया है जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत की शर्तों को पूरा करती है। पंथनिरपेक्षता को बरकरार रखा गया है जो संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है। हितधारकों को अपना पक्ष रखने के लिए पर्याप्त समय देते हुए, कानूनी प्रक्रिया का पालन करके मनमानी के तत्वों पर उचित नियंत्रण किया गया है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय की पाँच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने, भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची छ के अंतर्गत आने वाली सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए, धर्मांतरण विरोधी कानून बनाने की राज्य की विधायी शक्ति को बरकरार रखा है। इसी मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि प्रचार के अधिकार में किसी भी प्रकार से धर्मांतरण का अधिकार शामिल नहीं हो सकता।

विधेयक 2025 के बारे में गलत जानकारी फैलाना एक प्रयास है कि अवैध धर्मांतरण गैर-जमानती और संज्ञेय है, जो कठोर है। भारत का संविधान संघीय शासन व्यवस्था का प्रावधान करता है। राजस्थान राज्य अपनी बुद्धिमत्ता और विधायी शक्तियों के विभाजन के अनुसार इस विधेयक को पारित करने के लिए सक्षम है, जो एक धर्म से दूसरे धर्म में अवैध धर्मांतरण को रोकने का प्रयास करता है, इस आधार पर कि कानून और व्यवस्था स्थापित करना और बनाए रखना राज्य का संप्रभु कार्य है, सार्वजनिक व्यवस्था को बनाए रखने और बनाए रखने के लिए। इसलिए, यह विधेयक भारत की राष्ट्रीय नीति के साथ संघर्ष में नहीं है विधेयक 2025 पर लगाया गया यह आरोप कि दंड अत्यधिक कठोर और अनुपातहीन है, तर्कसंगत नहीं है। आपराधिक न्यायशास्त्र श्रेणीबद्ध दंड का प्रावधान करता है , जहाँ तक सुबोध विभेदों पर आधारित उचित वर्गीकरण और प्राप्त किए जाने वाले उद्देश्य के बीच संबंध स्थापित किया जाना आवश्यक है। यह विधेयक समाज के कमजोर वर्गों जैसे नाबालिग, महिला, विकलांग व्यक्ति, अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के सदस्यों से जुड़े अपराधों के लिए अधिक श्रेणीबद्ध और कठोर दंड का प्रावधान करता है, और न्यूनतम दंड जुर्माने के साथ प्रदान करता है। साथ ही, यह उन लोगों को रोकने के लिए भी है जो समाज विरोधी, राष्ट्र विरोधी हैं और भारत की इस प्राचीन भूमि की एकता और अखंडता के लिए खतरा पैदा करते हैं। यह विधेयक न तो निजता के अधिकार का उल्लंघन करता है और न ही व्यक्तिगत स्वतंत्रता का।

यह स्थापित कानून है कि न्यायिक समीक्षा व्यक्तिगत अधिकारों, स्वतंत्रता और लोकहित, जिसमें लोक व्यवस्था भी शामिल है, के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करती है। विधेयक 2025 की योजना में मनमानी के तत्व को विधिवत संबोधित किया गया है। निजता का अधिकार एक पूर्ण अधिकार नहीं है। इसकी सीमाएँ हैं और निजी स्थान में समलैंगिक संबंध के रूप में इसे अनुमति दी गई है। लेकिन अगर धोखाधड़ी का तत्व है, तो समलैंगिक संबंध भी कानून के तहत दंडनीय है। विवाह, जन्म, मृत्यु आदि का पंजीकरण कल्याणकारी समाज में योजनाओं, परियोजनाओं आदि की योजना बनाने के लिए एक मानदंड है। निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के उल्लंघन की आड़ में इस विधेयक को विफल करने का प्रयास किया जा रहा है।

भारत एक पंथनिरपेक्ष देश है, इसलिए ऐसे धर्मांतरण विरोधी कानून मूलत: पंथनिरपेक्षता की भावना के विरुद्ध नहीं हैं। पंथनिरपेक्षता को समझने के लिए हमें लगातार होने वाली संविधानसभा की बहसों का संदर्भ लेना होगा। यहाँ यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि 27 दिसंबर 1948 को संविधान सभा की बहस ने पंथनिरपेक्षता के वास्तविक स्वरूप को उजागर किया था। डॉ. अंबेडकर, 7 दिसंबर, 1948 को एक वाद-विवाद में अम्बेडकर ने उन धर्मों के वास्तविक चरित्र को रेखांकित किया जो भारतीय मूल के नहीं हैं। इन धर्मों के भाईचारे के दावे केवल उस विशेष धर्म के अनुयायियों तक ही सीमित हैं। बाहरी लोगों को नीची नज़र से देखा जाता है और उन्हें ईश्वरीय प्रसन्नता के योग्य नहीं माना जाता। इसलिए, पंथनिरपेक्षता की चयनात्मक, निहित और भेदभावपूर्ण व्याख्या के तहत धर्मांतरण के अधिकार का दावा नहीं किया जा सकता।

विधेयक 2025 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और संधियों के विपरीत नहीं है। कोई भी अंतर्राष्ट्रीय कानून अवैध धर्मांतरण को बढ़ावा नहीं देता है, जो समाज के सांप्रदायिक सद्भाव और कानून-व्यवस्था के विरुद्ध है।

वह संपत्ति जहाँ किसी व्यक्ति का एक धर्म से दूसरे धर्म में अवैध रूप से धर्म परिवर्तन का अपराध हुआ है, ज़ब्त कर ली जाएगी। यह ज़िला मजिस्ट्रेट या राज्य सरकार द्वारा नियुक्त राजपत्रित अधिकारी द्वारा जाँच के बाद होता है। अवैध धर्म परिवर्तन में शामिल पाई गई संपत्ति को राज्य विधान सभा के अधिकार क्षेत्र में आने वाले कानून द्वारा ज़ब्त करने की अनुमति दी गई है। उक्त संपत्ति को विधेयक 2025 में विस्तार से उल्लिखित समय-सीमा और प्रक्रिया के अनुसार ध्वस्त किया जा सकता है।

आपराधिक न्यायशास्त्र में निर्दोषता साबित करने के लिए अभियुक्त पर सबूत और अपराध का भार डालना कोई नई बात नहीं है। पीसीपीएनडीटी, एनडीपीएस, पॉक्सो, निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट, दहेज मृत्यु, बीमा कानून, भ्रष्टाचार विरोधी कानून जैसे मौजूदा कानून ऐसे कुछ उदाहरण हैं जहाँ सबूत का भार अभियुक्त पर होता है। जब विशेष मुद्दों के समाधान के लिए कोई विशेष कानून होता है , तो कानून को दोषी साबित होने तक निर्दोषता के सामान्य सिद्धांत का पालन करने की आवश्यकता नहीं होती है। इसलिए विधेयक 2025 आपराधिक न्यायशास्त्र के साथ विरोधाभासी नहीं है।

अग्रिम सूचना देना भारत के संविधान के अनुच्छेद, 20(3) का उल्लंघन नहीं है। जो कोई भी अपना धर्म परिवर्तन करना चाहता है, उसे निर्धारित प्रारूप में पदनाम प्राधिकारी को कम से कम 90 दिन पहले घोषणा प्रस्तुत करनी होगी। इसी तरह, धर्म परिवर्तक और धार्मिक पुजारी जो धर्म परिवर्तन समारोह करते हैं, उन्हें निर्धारित प्रारूप में पदनामित प्राधिकारी को दो महीने की अग्रिम सूचना देनी होगी। जिला मजिस्ट्रेट उपर्युक्त सूचना प्राप्त करने के बाद आपत्तियां मांगने के लिए सार्वजनिक सूचना में ऐसी सूचना प्रकाशित/प्रदर्शित करवाएंगे। आपत्ति के 60 दिनों के बाद, यदि आवश्यक हो, तो आपत्ति के 10 दिनों के भीतर जांच की जाएगी। इस प्रावधान का उल्लंघन एक अवैध कृत्य माना जाता है। धर्म परिवर्तन के बाद, धर्म परिवर्तन के दिन से 72 घंटे के भीतर, धर्मांतरित व्यक्ति को उस जिले के जिला मजिस्ट्रेट को घोषणा प्रस्तुत करना आवश्यक है, जिसमें परिवर्तित व्यक्ति सामान्य रूप से रहता है।व्यक्ति की गोपनीयता की रक्षा के लिए, परिवर्तित होने के बाद, घोषणा, पुष्टिकरण और रजिस्टर से उद्धरण की प्रमाणित प्रतियां केवल उन पक्षों को प्रदान की जाएंगी जिन्होंने घोषणा की थी, इसलिए, यह प्रावधान गोपनीयता के अधिकार को रखता है, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 का हिस्सा है।

विधेयक 2025 सभी व्यक्तियों को अपने मूल धर्म, यानी पूर्वज /पैतृक धर्म में धर्मांतरण का समान अवसर प्रदान करता है। यह किसी भी दृष्टि से भेदभावपूर्ण नहीं है, क्योंकि यह सभी व्यक्तियों पर लागू होता है। चूंकि इसमें धर्म, जाति, लिंग, निवास स्थान आदि के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया है, इसलिए यह समानता, तर्कसंगतता और निष्पक्षता की संवैधानिक कसौटी पर खरा उतरता है। इसलिए यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सुनवाई का अवसर, सार्वजनिक जांच, जांच में उचित समय, गोपनीयता की सुरक्षा, घोषणा और पुष्टि को ध्यान में रखते हुए विधेयक 2025, भारत के संविधान में मौलिक अधिकारों में निहित अनुच्छेद 14, 20, 21 और 25 की भावना और अक्षर को कायम रखते हुए, तर्कसंगतता, पारदर्शिता, समानता की संवैधानिक योजना को पारित करता है।

–सूर्यप्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय

भामाशाह ने बेड़च नदी के पुल की मरम्मत करवाई

भीलवाड़ा, (निसं)। सरकारी तंत्र और अधिकारियों की निष्क्रियता के बीच समाज के लोगों ने यह दिखा दिया कि अगर इच्छाशक्ति हो तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है। बरूंदनी-बड़लियास मार्ग पर बहने वाली बेड़च नदी पर बने पुराने पुल की हालत जर्जर हो चुकी थी। आए दिन इस पुल पर वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनायें सामने आ रही थी। स्थानीय लोगों ने कई बार प्रशासन को पुल की मरम्मत के लिए अवगत करवाया, लेकिन सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया। ऐसे में सिंगोली बरून्दनी क्षेत्र के समाजसेवी और भामाशाह घनश्याम राठी आगे आए और उन्होंने इस समस्या को खुद सुलझाने की ठानी। राठी ने अपने खर्चे से पुल पर बने खड्डों की मरम्मत करवाने का निर्णय लिया। मंगलवार की सुबह वे स्वयं मजदूरों और राजमिस्त्री के साथ मौके पर पहुंचे और मरम्मत कार्य की शुरुआत की। सुबह नौ बजे से दोपहर बारह बजे तक चले इस अभियान में पुल पर बने गहरे खड्डों को सीमेंट-कंक्रीट से भरा गया। राठी खुद मरम्मत कार्य की निगरानी करते रहे और मजदूरों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते रहे।

मरम्मत कार्य को देखकर आसपास के ग्रामीण भी प्रेरित हुए और कई लोगों ने श्रमदान में भाग लिया। इस अवसर पर कोटड़ी के पूर्व प्रधान विजयसिंह के मार्गदर्शन में बड़लियास के पूर्व सरपंच सत्यनारायण काबरा, मयूर मिस्त्री, कालू लाल जायसवाल भी मौके पर पहुंचे और श्रमदान किया। इन्हें देखकर नानूराम गंवारिया, कालू लाल पालीवाल, ओमप्रकाश शर्मा, राजेश जायसवाल, और शंकर खटीक भी आए और पुल की मरम्मत में हाथ बंटाया। तीन घंटे की मेहनत में पुल के सभी प्रमुख खड्डे भर दिए गए और पुल फिर से वाहनों की आवाजाही के लिए सुरक्षित बन गया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 9 अक्टूबर, 2025

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र रात्रि 8:03 तक, वज्र योग रात्रि 9:32 तक, वणिज करण दिन 12:39 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 1:23 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मेष, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-कुम्भ राशि में।

आज यमघट योग रात्रि 8:03 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 12:39 से रात्रि 10:55 तक रहेगी। आज शुक्र कन्या में दिन 10:49 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:54 तक, चर 10:47 से 2:14 तक, लाभ-अमृत 2:14 से 3:08 तक, शुभ 4:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:27, सूर्यास्त 6:02

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

वृष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

मीन
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सार-समाचार

कोटा-बूंदी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ की बोर्ड बैठक सम्पन्न

कोटा, (निसं)। कोटा-बूंदी जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड की बोर्ड बैठक बुधवार को सरस सभागार में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ ने की। इस अवसर पर अतिरिक्त रजिस्ट्रार बलविंद गिल, आरसीडीएफ के प्रतिनिधि शुभम कुमार जैन, प्रबंध संचालक दिलखुश मीणा सहित संचालक मंडल के सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में कुल 12 बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संघ की 27वीं वार्षिक आमसभा आगामी 21 नवम्बर को सियाम ऑडिटोरियम, कृषिभवन, नयापुरा (दरबार पेट्रोल पंप के पास) में आयोजित की जाएगी। अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ ने बताया कि संघ 12 वर्ष बाद लाभ (प्रॉफिट) में आया है। संघ ने इस वित्तीय वर्ष में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हित में कई निर्णय लिए हैं। उन्होंने घोषणा की कि 15 वर्ष बाद संघ के इतिहास में पहली बार दुग्ध उत्पादकों को 58 लाख रुपये का बोनस दिया जाएगा। यह राशि डीबीटी योजना के माध्यम से सीधे पशुपालकों के खातों में जमा की जाएगी। राठौड़ ने बताया कि त्योहारों के मौसम में मिलावटी खाद्य पदार्थ उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए चुनौती हैं। सरस ने शुद्ध के युद्ध अभियान के तहत शुद्ध और ताज़ी मिठाइयां लॉन्च कर इस चुनौती को स्वीकार किया है। इस अवसर पर सरस ने कई नए उत्पाद बाजार में उतारे हैं। प्रबंध संचालक दिलखुश मीणा ने बताया कि संघ को डिजिटल रूप से सशक्त करने के लिए कई नई पहलें की जा रही हैं, जिससे दुग्ध संग्रह, भुगतान और उत्पाद वितरण की प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी, कुशल एवं समयबद्ध हो सके।

100 तीर्थ यात्रियों को एक लाख रूपये की आर्थिक सहायता मिलेगी

कोटा, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा श्रद्धालुओं को कैलाश मानसरोवर यात्रा हेतु प्रोत्साहित करने और भारतीय संस्कृति, अध्यात्म तथा सनातन परंपराओं के प्रचार-प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कैलाश मानसरोवर यात्रा 2025 पूर्ण करने वाले कुल 100 तीर्थ यात्रियों को प्रति यात्री एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने का निर्णय किया है। जिन तीर्थ यात्रियों द्वारा कैलाश मानसरोवर यात्रा जुलाई से सितम्बर के मध्य सम्पन्न की है वे आर्थिक सहायता के लिए 30 नवम्बर तक आवेदन कर सकते हैं। सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग कृष्ण कुमार खंडेलवाल ने बताया कि विभाग द्वारा राज्य के तीर्थ यात्रियों के लिए आर्थिक सहायता योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत जिन तीर्थ यात्रियों ने जुलाई से सितम्बर माह के मध्य कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण की है, वे यात्रा पूर्ण होने के दो माह के भीतर अथवा अंतिम तिथि 30 नवम्बर तक सहायता हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में विभागीय कार्यालय अथवा देवस्थान विभाग की वेबसाइट से प्राप्त किए जा सकते हैं। यह योजना राज्य सरकार की ओर से श्रद्धालुओं को कैलाश मानसरोवर यात्रा हेतु प्रोत्साहित करने और भारतीय संस्कृति, अध्यात्म तथा सनातन परंपराओं के प्रचार-प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने पात्र तीर्थ यात्रियों से अपील की है कि वे निर्धारित समयावधि के भीतर अपने आवेदन अनिवार्य रूप से जमा कराएं ताकि उन्हें समय पर योजना का लाभ मिल सके।

सघन गुण नियंत्रण अभियान की शुरूआत

कोटा, (निसं)। जिले के कृषकों को रबी फसल उत्पादन के लिए उच्च गुणवत्ता वाले कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा सघन गुण नियंत्रण अभियान की शुरूआत की गई है। यह अभियान 15 नवम्बर तक जिलेभर में संचालित होगा। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) अतीश कुमार शर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान निरीक्षण दल द्वारा कृषि आदान निर्माताओं एवं विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों एवं गोदामों का निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान उर्वरक, बीज एवं कीटनाशकों के नमूने लेकर उन्हें राजकीय परीक्षण प्रयोगशालाओं में जांच हेतु भेजा जाएगा तथा अमानक पाए जाने पर संबंधित अधिनियमों के तहत सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि आदान विक्रेता कृषकों को उचित दर पर कृषि आदान उपलब्ध कराएं, प्रतिष्ठानों पर मूल्य सूची का प्रदर्शन, रिकॉर्ड संधारण, कृषकों को पक्का बिल देना एवं अधिकृत गोदामों में ही कृषि आदानों का भंडारण किया जाए, इन सभी प्रावधानों की पूर्ण पालना की जाए। संयुक्त निदेशक ने बताया कि अधिनियमों की अवहेलना अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित फर्मों के विरुद्ध बिक्री पर रोक, जब्ती, लाइसेंस निलंबन या निरस्तीकरण जैसी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अब तक जिले में कृषि आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु बीज के 133, उर्वरक के 300 तथा कीटनाशी के 30 नमूने लिए गए हैं। इनमें से 12 नमूने प्रयोगशाला द्वारा अमानक घोषित किए गए हैं, जिनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

महिला प्रकोष्ठ की प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त

कोटा, (निसं)। राजस्थान सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष रिछपाल पूनिया ने कोटा संभाग के अध्यक्ष नवनीत महर्षि की अनुशंसा के आधार पर ललिता लोधा को तत्काल प्रभाव से महिला प्रकोष्ठ का प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया हैं। कोटा जिले के अध्यक्ष तेजराज सिंह, संभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय भार्गव, नरेश चीता तथा नरेंद्र कासट ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करने का विश्वास दिलाया है। नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष ललिता लोधा ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि वे शीघ्र ही संभाग के चारों जिले सहित प्रदेश के सभी जिलों का दौरा कर सघन सदस्यता अभियान सुनिश्चित करेगी। महिला सशक्तिकरण हेतु कार्य करना उनका प्रमुख उद्देश्य रहेगा। सर्वप्रथम प्रत्येक जिले में महिला प्रकोष्ठ का गठन के कार्य को गति दी जाएगी। इस हेतु सभी जिलों में गहन विचार-विमर्श के उपरांत ही निर्णय लिया जा सकेगा। लोधा ने राज्य सेवा में कार्यरत रहते हुए भी कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं जिसके लिए उन्हें पुलिस मुख्यालय एवं जोन स्तर से अनेक अवसर पर पुरस्कृत भी किया गया है।

564 आवेदनों का निस्तारण किया

कोटा, (निसं)। बुधवार को नगर निगम कोटा के प्रशासनिक भवन स्थित स्वागत हॉल में चल रहे शहरी सेवा शिविर 2025 में नगर निगम कोटा दक्षिण में कुल 440 आवेदनों का निस्तारण किया गया, जिनमें भूमि संबंधित मामले 3, सड़क, नाली मरम्मत के 5, स्ट्रीट लाईट के 41, जन्म-मृत्यु, विवाह के 155, पीएम स्वनिधि, जनाधार नामांकन व अद्यतन 112, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन के 24, सीडिंग के 5, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सत्यापन के 55, पालनहार योजना के 10, का निस्तारण किया गया साथ ही शहरी सेवा शिविर में चल रहे चिकित्सा शिविर के लाभान्वितों की संख्या 9 रही। शहर में विभिन्न स्थानों से कैम्प में सफाई कार्य से जुड़ी जो शिकायते प्राप्त हुई उनका भी त्वरित निस्तारण किया गया। इसी क्रम में अगला शिविर गुरूवार को नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 64,75,76,77,80 का प्रशासनिक भवन स्थित स्वागत हॉल में आयोजित किया जायेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर आयोजित

रामगंजमण्डी (निसं)। शहर के श्री हीरा भाई परीख राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में 8 अक्टूबर बुधवार को एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन प्रधानाचार्या गार्गी मेहता की अध्यक्षता मे किया गया। मुख्य अतिथि विभा रांवका, जनप्रतिनिधि, विशिष्ट अतिथि विद्यालय, भूतपूर्व उपप्रधानाचार्या रक्षिय जैन एसडीएससी सदस्य रेखा सोनी व विद्यालय के सेवानिवृत दिनेश कुमार गुप्ता व्याख्याता ने सरस्वती पूजन के साथ विधिवत उद्घाटन किया। शिविर में स्वयं सेविकाओं द्वारा विद्यालय भवन की छतों की सफाई का कार्य किया गया। तत्पश्चात नशा मुक्त समाज पर पोस्टर प्रतियोगिता व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

नेत्रदान संपन्न हुआ

कोटा, (निसं)। मंगलवार देर रात आरकेपुरम, कोटा निवासी गिरीश चंद्र सक्सेना के आकस्मिक देवलोक-गमन के बाद, उनकी धर्मपत्नी मधुबाला, बेटे अंकित और बेटी रूचि की सहमति से परिजनों ने संस्था शाईन इंडिया फाउंडेशन को ज्योति-मित्र समीर सक्सेना के माध्यम से संपर्क कर मध्य रात्रि नेत्रदान का पुण्य कार्य संपन्न कराया। सहज सरल और विनम्र स्वभाव के गिरीश नागरिक सहकारी बैंक से मैनेजर के पद से सेवानिवृत हुए थे, परिवार प्रारंभ से ही सामाजिक कार्य में जुड़ रहा है इसीलिये, करीबी रिश्तेदार समीर सक्सेना की प्रेरणा पर परिजनों ने नेत्रदान के लिए सहमति दे दी।

मुख्य सचिव ने शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों की समीक्षा की

कोटा, (निसं)। मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में बुधवार को वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित कर शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविर अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि इन शिविरों के माध्यम से आमजन के प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जाए और अभियान को सार्थक बनाया जाए।

मुख्य सचिव ने शिविरों में अब तक की प्रगति के बारे में विभागवार समीक्षा की और निर्देश दिए कि अभियान को संवेदनशीलता के साथ क्रियान्वित करें। जिन जिलों में कम प्रगति हुई है वे अपनी प्रगति बढ़ाएं। शिविरों में जो कमियां हैं उन्हें दूर किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविरों में आधिकाधिक पात्र लोगों को पट्टों का वितरण किया जाए। पीएम स्वनिधि योजना में ऋण स्वीकृति त्वरित रूप से की जाए। पीएम जन धन, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन आदि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से अधिकाधिक पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि दीपावली पर्व के लिए स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए। सघन अभियान चलाया जाकर पूर्ण स्वच्छता और सुंदरता के लिए कार्य शुरू किया जाए।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविर अभियान की प्रगति की समीक्षा की।

सड़कें दीपावली से पूर्व दुरुस्त कर दी जाएं। स्ट्रीट लाइट भी दुरुस्त की जाएं और आवश्यकतानुसार नई लाइट भी लगाई जाएं। बाढ एवं अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त हुई परिसंपत्तियों में मरम्मत सुधार आदि के कार्य शीघ्र शुरू कर जनवरी-फरवरी तक पूर्ण कर लिए जाएं। मुख्य सचिव ने अभियान के अंतर्गत श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिलों की सराहना की। सेवा पर्व के अंतर्गत आयोजित रक्तदान शिविर में कोटा की पहली रैंक पर कोटा के रक्तदाताओं को साधुवाद दिया। बैठक में बताया गया कि वस्त्र एवं अन्य उपयोगी सामग्री संग्रहण के अभियान, ग्रामीण विकास विभाग की गतिविधियों सहित अन्य कुछ बिंदुओं में भी कोटा टॉप 5 जिलों में शामिल रहा है।

वीसी में संभागीय आयुक्त एवं जिला कलेक्टर पीयूष समारिया, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन वीरेंद्र सिंह यादव, एडीएम सीलिंग कृष्णा शुक्ला, कोटा विकास प्राधिकरण आयुक्त ममता तिवारी, केडीए सचिव मुकेश चौधरी, सीईओ जिला परिषद कमल कुमार मीणा, नगर निगम उत्तर आयुक्त अशोक त्यागी एवं दक्षिण आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी स्कूल के प्रधानाचार्य की विदाई में फूट-फूट कर रोने लगे बच्चे

छबड़ा (निसं)। यहां के एक सरकारी स्कूल में प्रधानाचार्य की विदा पर बच्चे फूट-फूट कर रो पड़े। यह भावुक दृश्य तब देखने को मिला जब प्रधानाचार्य का तबादला हो गया। बच्चों का अपने शिक्षक के प्रति यह गहरा लगाव बताता है कि कैसे एक गुरु न केवल शिक्षा देते हैं, बल्कि बच्चों के जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान भी बना लेते हैं।

दरअसल, उच्च माध्यमिक विद्यालय झरखेड़ी के प्रधानाचार्य राहुल कुमार चौपड़ा का उनके गृह जिले अलवर में स्थानांतरण हो जाने पर विद्यालय में आयोजित विदाई समारोह में विद्यार्थी फूट-फूट कर रोने लगे। इससे बढ़कर एक प्रधानाचार्य के लिए सम्मान और पुरस्कार क्या हो सकता है। विदा के पलों पर उनके 2023 से 2025 तक के सफल कार्यकाल को याद किया गया। घ्यहां अतिथि के रूप में षिरकत कर रहे निरंजन शर्मा, छीतरलाल कसाना, शंकरलाल नागर, पीईईओ नरेंद्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि चौपड़ा के नेतृत्व में विद्यालय ने शैक्षणिक और सहशैक्षणिक गतिविधियों में अभूतपूर्व प्रगति की। इनके कार्यकाल में विद्यालय का परीक्षा परिणाम बेहतर हुआ और छात्रों के लिए कई नई सुविधाएँ भी शुरू की गईं। इस विदाई समारोह ने यह साबित कर दिया कि एक अच्छा शिक्षक या प्रधानाचार्य केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाता, बल्कि वह पीढ़ियों को प्रेरित करता है। कक्षा 12वीं की छात्रा अंजली मीणा ने भरे गले से कहा कि 'सर केवल प्रिंसिपल नहीं थे, वह हमारे प्रेरणाम्रोत थे। उन्होंने हमें केवल पढ़ाया नहीं, बल्कि जीवन के मूल्यों को भी सिखाया। हम उनके मार्गदर्शन को हमेशा याद रखेंगे। कई छात्र-छात्राएं इस दौरान मन ही मन भावुक होकर रो पड़े। विद्यालय परिवार ने प्रधानाचार्य चौपडा को चांदी का नारियल और शिक्षकों ने चांदी की चैन, अंगूठी व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यवाहक प्रधानाचार्य ओमप्रकाश गाडरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कृषि विश्वविद्यालय कोटा
बोरखेड़ा, बारां रोड, कोटा 324001 (राज.)

No. :- F. 2 ( )/AU/Kota/2025/8270 Date :- 07/10/2025

EXPRESSION OF INTEREST (EOI)

Agriculture University, Kota, invites EOI for leasing out a building admeasuring one Hall 1500 sq.ft. at First Floor to bank/offices. 4 Shops of 300 Sq.ft each at Ground Floor. The EOI of each hall and shop shall be filled separately by lessee. The tender document can be downloaded from **http://sppp.raj.nic.in** of the state and **https://www.aukota.org**, in university website. **(UBN: AUK2526SSOB00061 NIB: AUK2526A0057)**

Raj.Samwad/C/25/11681 REGISTRAR

वरिष्ठ नागरिक संस्थान ने सामाजिक कार्य किए

कोटा, (निसं)। वरिष्ठ नागरिक संस्थान द्वारा इंटरनेशनल डे ऑफ ओल्डर पर्सन्स के उपलक्ष्य में प्रथम सप्ताह भर सामाजिक कार्य किए गए। अध्यक्ष टी पी एस सेठी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत 1 अक्टूबर को प्रात: हवन के साथ की गई, 2 तारीख को प्रताप कॉलोनी गोशाला में गायों को चारा खिलाया गया, 3 तारीख को करनी विकास समिति के वृद्धाश्रम में वृद्धजन को खाना खिलाया गया, 4 तारीख को मदर टेरेसा होम में राशन वितरित किया गया और 6 तारीख को जेके लोन हॉस्पिटल में नवजात शिशुओं को कम्बल वितरित किए गए और आखिरी दिन 7 तारीख को कैंसर वार्ड (एमबीएस हॉस्पिटल) में कैंसर पेशेंट्स को डॉक्टर तंवर के सान्निध्य में स्नैक्स, फ्रूट और दूध सर्व किया गया। सचिव डीके अरोड़ा ने बताया कि सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में संस्था जरूरतमंदों की सेवा करने के लिए तत्पर रहती है। एग्जीक्यूटिव चेयरमैन ब्रिगेडियर एन एस कपूर, राम मदनानी, ट्रेजरार एन पी सोनी के अतिरिक्त नीलू सेठी, अनुराधा अग्रवाल, वर्षा अरोडा, मालती पाठक, नंदिता राय, एनके गुप्ता आदि कई साथियों ने अपना योगदान दिया।

वन्य जीव सप्ताह का समापन समारोह आयोजित

कोटा, (निसं)। जिला कलेक्टर पीयूष समारिया ने कहा कि इंसानों का वन्य जीवन एवं प्रकृति के साथ कैसे समन्वय स्थापित हो इस पर सकारात्मक सोच विकसित करते हुए हमें इंसान एवं वन्य जीवन के बीच संतुलन की दिशा में प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को वन्य जीवन एवं प्रकृति के बारे में जागरुक करना होगा। उन्हें समझाना होगा कि हमारे ईको सिस्टम को बनाए रखने में मानव जाति के साथ दूसरी प्रजातियों का सह-अस्तित्व महत्वपूर्ण है।

जिला कलेक्टर बुधवार को नयापुरा स्थित चिड़ियाघर में आयोजित वन्य जीव सप्ताह के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस बार वन्य जीव सप्ताह की थीम काफी अच्छी है जिसमें मानव जीवन एवं वन्य जीवन के बीच सह-अस्तित्व पर फोकस किया गया है। उन्होंने कहा कि वन्य जीव सप्ताह जैसे आयोजनों को बढ़ावा देते हुए हमारे बच्चों को प्रकृति से जोड़ने और वन्य जीवन के बारे में उन्हें जागरुक करने के निरंतर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ईको सिस्टम को मजबूत बनाने की दिशा में हरित राजस्थान अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधारोपण को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही, मुकुन्दरा हिल्स टाईगर रिजर्व को और अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में भी कार्य किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कोटा शहर एसपी तेजस्वनी गौतम ने प्रकृति द्वारा प्रदत्त वस्तुओं का संतुलित उपयोग करते हुए जल एवं वायु प्रदूषण रोकने की अपील की। उन्होंने रेगिस्तानी जिलों में पानी की एक-एक बूंद की कीमत को उदाहरण के माध्यम से समझाते हुए कहा कि चम्बल नदी कोटा संभाग के लिए एक वरदान है। यहां चम्बल के कारण पानी की कोई कमी नहीं लेकिन हमें इस पानी को व्यर्थ में बहाने से बचना होगा। इसके स्वच्छ पानी को हमें कूड़ा एवं प्लास्टिक डालकर गंदा नहीं करना है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान में बच्चों ने मेस्कट बनकर जागरुकता पैदा की थी। उसी प्रकार हमें इन्हें हमारी बायोडायवर्सिटी को बचाने के लिए ब्रेंड एम्बेसडर बनाना होगा। उन्हें वन्य जीवन, पशु-पक्षियों एवं प्रकृति के करीब ले जाना होगा ताकि वे इसका महत्व समझ सकें। मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र निदेशक मुकुन्दरा हिल्स टाईगर रिजर्व सुगना राम जाट ने कहा कि बढ़ते हुए शहरीकरण एवं जनसंख्या वृद्धि के कारण वन्य जीवों के कोरिडोर खत्म हो रहे हैं, उनके आवास सीमित हो रहे हैं और वे कई जगह उनके इंसानी बस्तियों में प्रवेश करने की घटनाएं सामने आई हैं।

उन्होंने कहा कि हमें ईको सिस्टम को बेलेंस करने के लिए वन्य जीवन के साथ संतुलन स्थापित करना ही होगा। संभागीय मुख्य वन संरक्षक सोनल जोरिहार ने कहा कि वन्य जीव सप्ताह के दौरान सीखी हुई चीजों को बच्चे अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन में अपनाते हुए वन्य जीव संरक्षण के प्रति जागरुक बनें।

लोक सूचना कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक : LU2012/KOT/2025-26/100962 दिनांक : 18.09.2025

श्रीमति PRATIBHA SAROJA पत्नि श्री RAKESH SAROJA जाति KALAL SA निवासी SURYA VILLA, EMMANUAL SCHOOL KE PASS RAJENDRA HOTEL ROAD, DADWARA श्रीमति PITAMBARI DEVI पत्नि श्री RAMESH CHANDRA जाति KALAL SA निवासी SURYA VILLA, EMMANUAL SCHOOL KE PASS RAJENDRA HOTEL ROAD, DADWARA ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का वाणिज्य प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	नया नोहरा, लाडपुरा (कोटा)	PRATIBHA SAROJA W/O RAKESH SAROJA & PITAMBARI DEVI W/O RAMESH CHANDRA	355/18	400	0.04
				कुल	0.04

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 18.09.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी, कोटा विकास प्राधिकरण(केडीए)

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 1816 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 29.9.25

आवास संखअया एम.पी.बी.-80 महावीर नगर कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री कफील अहमद पुत्र श्री जमील अहमद को किया गया था। इस आवास का नियमितिकरण श्री पुरुषोत्तम मीणा पुत्र श्री मथुरा लाल के नाम दिनांक 04.09.2006 को किया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री पुरुषोत्तम मीणा पुत्र श्री मथुरा लाल की मृत्यु दिनांक 21.05.2021 को हो चुकी है। श्री पुरुषोत्तम मीणा पुत्र श्री मथुरा लाल द्वारा इस आवास की वसीयत अपने जीवनकाल में दिनांक 06.07.2018 को जरिये वसीयत नामा आलेखित कर दिनांक 18.06.2025 को उप पंजीयक कोटा में पंजीबद्ध करवाया गया। श्रीमती कौशल्या देवी मीणा पत्नी स्व. श्री पुरुषोत्तम मीणा के पक्ष में आलेखित की गई। श्रीमती कौशल्या देवी मीणा पत्नी स्व. श्री पुरूषोत्तम मीणा द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या एम.पी.बी-80 महावीर नगर, कोटा को उक्त आवास का हस्तान्तरण/प्रतिस्थापन अपने नाम आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं वसीयत नामा के आधार पर करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथ पत्र घोषणा पत्र मृत्यु, प्रमाण पत्र एवं वसीयत नामा के आधार पर श्रीमती कौशल्या देवी मीणा पत्नी स्व. श्री पुरुषोतम गीणा के नाम करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि उक्त आवास का हस्तांतरण/ प्रतिस्थापन श्रीमती कौशल्या देवी मीणा पत्नी स्व. श्री पुरूषोत्तम मीणा के नाम किए जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार की कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती कौशल्या देवी मीणा पत्नी स्व. श्री पुरूषोत्तम मीणा के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

कोटा कॉ-ऑपरेटिव बैंक एवं सहकारिता विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

कोटा, (निसं)। जिला कलेक्टर पीयूष समारिया की अध्यक्षता में बुधवार को डीसीसीबी एवं डीएलएमआरसी की सितंबर 2025 समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में शत-प्रतिशत पैक्स निर्माण की प्रगति पर चर्चा की गई। कलक्टर समारिया ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को इसे सतत रूप से क्रियाशील बनाए रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने डब्ल्यूडीआरडीए के तहत निर्मित 500 मेट्रिक टन क्षमता वाले गोदामों का शीघ्र पंजीकरण कराने के निर्देश दिए ताकि उनका उपयोग कृषि उत्पादन, भंडारण एवं वितरण कार्यों में समय पर किया जा सके।

कलक्टर समारिया ने कहा कि जिले की 153 फंक्शनल सीएससी केंद्रों पर विभिन्न गतिविधियों में ट्रांजैक्शन बढ़ाए जाएं एवं उनका सार्वजनिक डिस्प्ले सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मिल्क सोसाइटियों को माइक्रो एटीएम प्रशिक्षण देकर वित्तीय लेन-देन को बढ़ाया जाए और इनकी नियमित निगरानी की जाए। डीएलएमआरसी की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में डिपॉजिट टारगेट पूरे कर लिए गए हैं। इस पर कलक्टर समारिया ने निर्देश दिए कि कैश डिपॉजिट को और बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। बैठक में बताया कि मार्च 2025 में बैंक लोन डायवर्सिफिकेशन 12.79 प्रतिशत था जो अब बढ़कर 16 प्रतिशत हो गया है। इस पर उन्होंने कहा कि मार्च 2026 तक 20 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। बैठक में बताया गया कि कोटा जिले का एनपीए 1.96 प्रतिशत है, जो संतोषजनक है, लेकिन इटावा क्षेत्र में एनपीए अधिक होने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विशेष समीक्षा कर रिकवरी कार्यों को तेज करने के निर्देश दिए। बैठक में एनयूएलएम मैनेजर हेमलता गांधी ने जानकारी दी कि जिले की महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) स्वदेशी उत्पादों के प्रचार-प्रसार एवं मोटे अनाज आधारित कार्यों में उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं। उन्होंने बताया कि दशहरे मेले में एसएचजी द्वारा प्रदर्शित उत्पादों को विशेष सराहना मिली है। कलक्टर समारिया ने इस पर कहा कि महिला समितियों और समूहों के कार्यों का प्रचार-प्रसार अधिक किया जाए, ताकि अन्य महिलाएं भी प्रेरित होकर आत्मनिर्भर बनें।

बैठक में बलविंदर सिंह गिल, प्रबंध निदेशक, कोऑपरेटिव विभाग द्वारा विभागीय प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर राजेश मीणा, डिप्टी रजिस्ट्रार कोऑपरेटिव; गोविंद प्रसाद लड्डा, स्पेशल ऑडिट ऑफिसर; रामप्रसाद शर्मा, जिला विकास प्रबंधक, नाबार्ड; एनयूएलएम मैनेजर हेमलता गांधी सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे।

फसल खराबे की सूचना के लिए शिविर आज से

कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के निर्देश पर सांगोद विधानसभा क्षेत्र में फसल खराबे की सूचना देने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत पर गुरूवार और शुक्रवार को शिविर लगाए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों क्षेत्र में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के दौरे के दौरान खेतों पर जाकर फसल खराबा देखा था। उसके बाद उन्होंने प्रमुख शासन सचिव से बात कर कृषि अधिकारियों को शिविर लगाने के निर्देश दिए थे। संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार ने बताया कि सांगोद विधानसभा क्षेत्र की सभी 51 पंचायतों में ग्राम पंचायत भवन पर शिविर लगाए जाएंगे।

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)

क्रमांक:-ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2025/9571 दिनांक: 8.10.25

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि श्री हेमन्त कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री राम नारायण शर्मा एवं श्री भूपेश कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री राम नारायण शर्मा एवं श्री महेन्द्र कुमार पुत्र स्व. श्री राम नारायण निवासी भूखण्ड संख्या 93, शोपिंग सेन्टर, कोटा (राज.) ने नगर निगम, कोटा दक्षिण में आवेदन प्रस्तुत कर भूखण्ड संख्या 93, शोपिंग सेन्टर, कोटा क्षेत्रफल 2400 वर्गफुट का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तांतरण करने का निवेदन किया है। भूखण्ड संख्या 93 शोपिंग सेन्टर, कोटा क्षेत्रफल 2400 वर्गफुट का आवंटन सिटी इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, कोटा द्वारा पत्र क्रमांक ( )Accts/59/3519 दिनांक 17.12.1959 से श्री किशन दास पुत्र श्री सेवा राम को किया गया। श्री किशन दास ने उक्त भूखण्ड का पूर्वी आधा भाग जर्ये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 06.09.1960 से श्री जगन्नाथ पुत्र श्री बजरंग लाल को विक्रय कर दिया तथा शेष पश्चिमी आधा भाग जर्ये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 09.11.1962 से श्रीमती केशर बाई पत्नी श्री गुंरादी लाल को विक्रय कर दिया। श्री जगन्नाथ ने उक्त भूखण्ड में से क्रय शुदा आधा भाग जर्ये रजिस्टर्ड दस्तावेज दिनांक 12.11.1962 से श्रीमती केशर बाई पत्नी श्री गुंरादी लाल को विक्रय कर दिया। श्रीमती केशर बाई ने उक्त भूखण्ड पर निर्मित पूर्व की ओर की पहले नम्बर की दुकान और उसके आगे का बरामदा जर्ये रजिस्टर्ड दस्तावेज दिनांक 26.11.1966 से श्रीमती पुष्पा बाई पत्नी श्री राम नारायण को व दूसरे नम्बर की दुकान ओर उसके आगे का बरामदा जर्ये रजिस्टर्ड दस्तावेज दिनांक 26.11.1966 से श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री राम नारायण पटेल नाबालिग बाविलात श्री राम नारायण पटेल खुद कुदरती वली को व तीसरे नम्बर की दुकान और उसके आगे का बरामदा जर्ये रजिस्टर्ड दस्तावेज दिनांक 26.11.1966 से श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री राम नारायण नाबालिग बाविलात श्री राम नारायण पटेल खुद कुदरती वली को तथा बाकी बचा कुल हिस्सा जर्ये रजिस्टर्ड दस्तावेज दिनांक 26.11.1966 से श्री रामनारायण पटेल पुत्र श्री पन्ना लाल पटेल को विक्रय कर दिया। श्री रामनारायण पटेल ने जर्ये रजिस्टर्ड वसीयत नामा दिनांक 03.10.2006 से उक्त भूखण्ड में से क्रय शुदा स्वयं के भाग की वसीयत श्री हेमन्त कुमार शर्मा पुत्र श्री राम नारायण शर्मा व श्री भूपेश शर्मा पुत्र श्री राम नारायण शर्मा के नाम दी तथा श्री राम नारायण का देहावसान दिनांक 22.07.2008 को हो गया। श्रीमती पुष्पा बाई ने जर्ये रजिस्टर्ड वसीयत नामा दिनांक 29.01.2007 से उक्त भूखण्ड में से स्वयं द्वारा क्रय शुदा भाग की वसीयत श्री हेमन्त कुमार शर्मा पुत्र श्री राम नारायण शर्मा के नाम कर दी। आवेदकों द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम, कोटा दक्षिण में उक्त भूखण्ड के स्वामित्व नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखण्ड का स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी जो उक्त भूखण्ड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त, नगर निगम, कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

राज्य अल्पसंख्यक आयोग सदस्य ने बैठक ली

राज्य अल्पसंख्यक आयोग सदस्य हरदीप सिंह चहल ने कोटा में अधिकारियों की बैठक ली।

कोटा, (निसं)। राज्य अल्पसंख्यक आयोग सदस्य हरदीप सिंह चहल ने जिले के प्रवास के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय के व्यक्तियों एवं जिला प्रशासन के साथ बैठक कर अल्पसंख्यक विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं एवं सिक्ख अभ्यर्थियों के प्रतियोगी परीक्षाओं में कड़ा, कृपाण एवं पगड़ी आदि धारण कर शामिल होने की अनुमति के संबंध में राज्य सरकार के जारी परिपत्र की पालना कराने के लिए चर्चा की।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी त्रिलोक चन्द मीणा ने राज्य अल्पसंख्यक आयोग सदस्य को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए अल्पसंख्यक समुदाय के व्यक्तियों को प्रेरित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया।

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग कोटा खण्ड कोटा

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 के अधीन नोटिस

समस्त संबंधित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 86/2025

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

श्री वरुण रमन अदलक्खा पुत्र श्री रेवती रमन पहाडी मार्ग साहू मन्दिर के पास छबडा जिला बारां द्वारा राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (2) के अन्तर्गत प्रन्यास "सेवकमान चेरिटेबल ट्रस्ट" पहाडी मार्ग साहू मन्दिर के पास छबडा तह छबडा जिला बारां के सम्बन्ध में पंजीयन हेतु जांच किये जाने के लिये आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिये, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित प्रक्रिया अनुसार निर्णित किया जायेगा तथा जांच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जायेगा।

आज दिनांक 14.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया। प्रकरण में आगामी सुनवाई की दिनांक 16.10.2025 है।

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग कोटा

नगर निगम, कोटा दक्षिण-उत्तर
132वाँ राष्ट्रीय दशहरा मेला, कोटा

दिनांक 9-10-2025, गुरुवार के कार्यक्रम

रंगोली, माण्डना एवं मेहंदी प्रतियोगिता
दोपहर 12:00 बजे। नगर निगम कार्यालय परिसर
गरिमामयी उपस्थिति
श्रीमती सुनिता नायक - डायरेक्टर कोटा महिला नागरिक सहकारी बैंक
श्रीमती सुरभि झामनानी - डायरेक्टर कोटा महिला नागरिक सहकारी बैंक
श्रीमती पूनम जैन - जिला महामंत्री भाजपा महिला मोर्चा कोटा शहर
श्रीमती सरोज वर्मा - जिला मंत्री भाजपा कोटा शहर

साफा प्रतियोगिता
रात्रि 07:00 बजे। विजय श्री रंगमंच, दशहरा मैदान
गरिमामयी उपस्थिति
श्री हेमराज सिंह हाड़ा - उपाध्यक्ष नागरिक सहकारी बैंक, कोटा
श्री कुलदीप तलवार - जिला उपाध्यक्ष भाजपा कोटा शहर
श्री के.पी. सिंह - जिला संयोजक प्रकोष्ठ भाजपा कोटा शहर
श्रीमती चंचल राठौड़ - जिला मंत्री भाजपा कोटा शहर
श्री हिम्मत सिंह हाड़ा - भाजपा नेता

भजन संध्या (अभिलिप्सा पांडा)
रात्रि 08:30 बजे। विजय श्री रंगमंच, दशहरा मैदान
गरिमामयी उपस्थिति
श्रीमती चन्द्रकांता मेघवाल - पूर्व विधायक केशवरायपाटन जिला बून्दी
डॉ. हेमा सरस्वती - महामण्डलेश्वर मौजीबाबा गुफा धाम
बाबा शैलेन्द्र भार्गव - महन्त गोदावरी धाम कोटा
श्री धर्मवीर पुजारी - पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा चुरू
श्री सुमेर सिंह - प्रभारी अनन्त चतुर्दशी महोत्सव आयोजन समिति, कोटा
श्री बाबूलाल मेघवाल - वरिष्ठ भाजपा नेता

किसान रंगमंच
रात्रि 08:00 बजे
गरिमामयी उपस्थिति
श्री प्रणय दुबे - जिला प्रवक्ता भाजपा कोटा शहर
श्री संजय त्रिपाठी - भाजपा मण्डल अध्यक्ष विज्ञान नगर
श्री गजेन्द्र सिंह देवड़ा (बॉबी टेलर) - मण्डल प्रतिनिधी विज्ञान नगर
श्री नरेन्द्र सोनी लाला - पूर्व मण्डल अध्यक्ष विज्ञान नगर

फेज़ 2, दशहरा मैदान

उपरोक्त कार्यक्रमों में आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं
विनीत : **विवेक राजवंशी**, अध्यक्ष एवं समस्त सदस्य, मेला समिति तथा नगर निगम कोटा दक्षिण-उत्तर

राजस्थान संवाद

राज्य सरकार ने ओपीजेएस यूनिवर्सिटी चूरू में नये प्रवेशों पर प्रतिबंध लगाया

फर्जी डिग्रियों और शैक्षणिक फर्जीवाड़े पर सख्त कार्रवाई की शुरुआत

- यूजीसी ने पहले ही ओपीजेएस सहित झुंझुनूं की जेजेटी यूनिवर्सिटी, अलवर की सनराइज यूनिवर्सिटी व अन्य को पीएचडी प्रवेश पर प्रतिबंधित किया था
- प्रतिबंधों के कारण हजारों छात्र असमंजस में हैं, कई विद्यार्थियों ने पहले से प्रवेश लिया हुआ है, और अब उनकी डिग्रियों की वैधता पर सवाल खड़े हो गए हैं

झुंझुनूं, (निसं)। प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में चल रहे कथित फर्जीवाड़े और अनियमितताओं पर सरकार ने अब बड़ा कदम उठाया है। राज्य के उच्च शिक्षा विभाग ने तीन अक्टूबर को जारी आदेश में झुंझुनूं-चूरू बॉर्डर पर स्थित ओपीजेएस यूनिवर्सिटी अर्थात ओमप्रकाश जोगेंद्रसिंह विश्वविद्यालय चूरू में नए प्रवेशों पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश में विश्वविद्यालय द्वारा जारी डिग्रियों, शोध पंजीकरण और अध्यापन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं की जांच के भी निर्देश दिए गए हैं।

फर्जी डिग्रियों और शैक्षिणक अनियमितताओं का जाल :- पिछले कुछ वर्षों में राज्य के कई निजी विश्वविद्यालयों पर कागजों पर पढ़ाई, बिना पढ़ाई/बैक डेट डिग्री वितरण और फर्जी शोध प्रमाणपत्रों के आरोप लगते रहे हैं। कई मामलों में ऐसे भी प्रकरण सामने आए हैं, जहां बिना कक्षाओं के संचालन, बिना शोध पर्यवेक्षण और बिना विवेचना समिति की अनुमति के पीएचडी डिग्रियां जारी की गई। उच्च शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के खिलाफ प्राप्त शिकायतों में बिना मान्यता वाले कोर्सों में प्रवेश और फर्जी डिग्रियां जारी करना, बाहरी परीक्षाओं के माध्यम से शोध डिग्री जारी करना और छात्रों से फर्जीवाड़े के माध्यम से वसूली जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

यूजीसी पहले ही दिखा चुका है सख्ती :-इससे पहले विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 2025 में ओपीजेएस सहित राजस्थान की चार निजी विश्वविद्यालयों श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला यूनिवर्सिटी चुड़ैला झुंझुनूं, सनराइज यूनिवर्सिटी अलवर, सिंघानिया यूनिवर्सिटी झुंझुनूं पर पांच वर्षों (2025-2030) तक पीएचडी प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था। यूजीसी की जांच समिति ने इन विश्वविद्यालयों के शोध कार्यक्रमों में गंभीर शैक्षिणक उल्लंघन, नकली पर्यवेक्षण, और नियम विहीन प्रवेश प्रक्रिया को चिह्नित किया था।

शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति केवल संस्थागत विफलता नहीं बल्कि उच्च शिक्षा की आत्मा पर गहरा प्रहार है। राजस्थान में बीते वर्षों में कई ऐसे विश्वविद्यालयों के नाम सामने आए, जिनका ध्यान डिग्री बेचने की दिशा में अधिक रहा, न कि शोध और ज्ञान निर्माण की ओर। शिक्षाविद् और समाजसेवी डॉ. सागर कछावा का कहना है कि फर्जी डिग्रियां और अनियमित शोध न केवल शिक्षा की गरिमा को नष्ट करते हैं बल्कि समाज की नैतिक नींव को भी कमजोर करते हैं। अब समय आ गया है कि राज्य सरकार शिक्षा को व्यवसायिक दृष्टिकोण से बाहर निकालकर उसे सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में पुनर्स्थापित करे।

छात्रों के भविष्य पर प्रभाव :- इन प्रतिबंधों के कारण हजारों छात्र असमंजस में हैं। कई विद्यार्थियों ने पहले से प्रवेश लिया हुआ है, और अब उनकी डिग्रियों की वैधता पर सवाल खड़े हो गए हैं। यूजीसी और उच्च शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार ने ऐसे छात्रों को सलाह दी है कि वे प्रवेश से पहले विश्वविद्यालयों की मान्यता और मानक की स्थिति की आधिकारिक जांच अवश्य करें, ताकि भविष्य में रोजगार या उच्च शिक्षा में कठिनाई न हो।

राजस्थान सरकार का यह कदम शिक्षा में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता बहाल करने की दिशा में एक निर्णायक शुरुआत माना जा रहा है। सरकार अब ऐसे सभी विश्वविद्यालयों की आंतरिक समीक्षा, वित्तीय लेखा-परीक्षा और शोध मानक मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। शिक्षा विभाग के एक अधिकारी के अनुसार हमारा उद्देश्य किसी संस्था को बंद करना नहीं है, बल्कि उन्हें शिक्षा के असली मापदंडों की ओर वापस लाना है। ताकि शिक्षा प्रणाली में विश्वास बहाल हो सके।

आगे का रास्ता :-अब नजर इस बात पर है कि प्रतिबंधित विश्वविद्यालय अपनी साख बहाल करने के लिए कौन से सुधारात्मक कदम उठाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन संस्थानों में यूजीसी मानकों के अनुरूप शोध प्रणाली, प्रवेश में पारदर्शिता, स्थाई तथा योग्य शिक्षकों की नियुक्ति और नियमित अकादमिक ऑडिट लागू किए जाते हैं, तो यह शिक्षा जगत के लिए एक नई शुरुआत साबित हो सकती है। राजस्थान सरकार की यह सख्ती केवल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा के भविष्य को दिशा देने वाला निर्णायक कदम है। फर्जी डिग्रियों, नकली शोध और शिक्षा के व्यवसायीकरण की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाकर सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि शिक्षा अब कमाई का साधन नहीं बल्कि ज्ञान और नैतिकता का माध्यम होगी।

लेपर्ड की आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत

करौली, (निसं.) करौली-कैला देवी मार्ग पर स्थित मामचारी गांव और उसके आसपास के क्षेत्र में एक लेपर्ड और उसके शावकों की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीण रात में अकेले बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग और पुलिस को दी है, जिसके बाद वन विभाग ने क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी है और लोगों से सावधान रहने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से मामचारी क्षेत्र में लेपर्ड और उसके शावकों को देखा जा रहा है। उनकी उपस्थिति से क्षेत्र के निवासी गहरे भय में हैं। खासकर शाम ढलने के बाद और रात के समय ग्रामीण घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार यह लेपर्ड और उसके बच्चे लगातार खेतों और आबादी वाले इलाकों के करीब नजर आ रहे हैं, जिससे उनके जान-माल का खतरा बढ़ गया है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग के अधिकारियों और पुलिस को पूरे मामले की सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सक्रिय हो गए हैं। वन अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे किसी भी तरह के खतरे से बचने के लिए सतर्क रहें और अकेले घर से बाहर न निकलें। इसके साथ ही लेपर्ड के मूवमेंट को ट्रैक करने और उसकी सही स्थिति का पता लगाने के लिए वन कर्मियों ने मामचारी गांव के आसपास के कई संभावित स्थानों पर ट्रैप कैमरे भी लगाए हैं। इन कैमरों की मदद से लेपर्ड के व्यवहार और क्षेत्र की जानकारी जुटाकर उसे आबादी से दूर भेजने या नियंत्रित करने की आगामी रणनीति बनाई जाएगी।

बागोड़ा पुलिस थाना के एएसआई पचास हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

- एएसआई द्वारा 35 हजार रूपये पूर्व में प्राप्त कर 65 हजार रूपये और मांग कर परेशान किया जा रहा था
- एएसआई ने परिवादी के रिश्तेदार के विरूद्ध प्रकरण में आरोपी द्वारा दो व्यक्तियों का चालान नहीं करने एवं प्रकरण में मदद करने की एवज में रिश्वत मांगी

आरोपी एएसआई।

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. जालोर इकाई ने बुधवार को कार्रवाई करते हुये बागोड़ा पुलिस थाना के सहायक पुलिस निरीक्षक कल्याण सिंह को पचास हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ए. सी.बी. जालोर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी से आरोपी कल्याण सिंह सहायक उप निरीक्षक पुलिस थाना बागोड़ा जिला जालोर द्वारा परिवादी के रिश्तेदार के विरूद्ध प्रकरण में आरोपी द्वारा दो व्यक्तियों का चालान नहीं करने एवं प्रकरण में मदद करने की एवज में 35 हजार रूपये पूर्व में प्राप्त कर 65 हजार रूपये रिश्वत राशि की और मांग कर परेशान किया जा रहा है, जिस पर जोधपुर रेंज के उपमहानिरीक्षक भुवन भूषण यादव के सुपरवीजन में ए.सी.बी. चौकी जालोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मांगीलाल राठौड़ ने बुधवार को मय टीम के ट्रेप कार्रवाई करते हुए आरोपी एएसआई पुलिस थाना बागोड़ा कल्याण सिंह द्वारा दौराने ट्रेप कार्रवाई परिवादी से पचास हजार रूपये रिश्वत राशि मांग कर प्राप्त करते हुये रूबरू स्वतंत्र गवाह के रंगे हाथों गिरफतार कर रिश्वत राशि पचास हजार रूपये बरामद किये गये। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

एसीबी टीम ने आरोपी एएसआई को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही थाने में संबंधित प्रकरणों की फाइलें, दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड जब्त कर लिए गए हैं। टीम यह भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी ने इसी तरह अन्य मामलों में भी अवैध वसूली की है।

हाइवे पर ट्रक में कार घुसी, तीन श्रद्धालुओं की मौत

- पांचों युवक टैक्सी से श्रीगंगानगर में चानणा धाम बालाजी के दर्शन करने जा रहे थे

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां चानणा धाम बालाजी के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार तीन श्रद्धालुओं ने मौके पर दम तोड़ दिया। दो गंभीर रूप से घायल हैं। शव गाड़ी में बुरी तरह फंस गए थे। टैक्सी काटकर तीनों बॉडी को बाहर निकाला गया।

हादसा श्रीगंगानगर जिले के जैतसर में सूरतगढ़-अनूपगढ़ स्टेट हाइवे-94 पर गांव 5 जीबी पुलिया के पास हुआ। घायलों को एम्बुलेंस से श्रीगंगानगर के जिला हॉस्पिटल भेजा गया। बताया जा रहा है कि ट्रक अनूपगढ़ से सूरतगढ़ की तरफ जा रहा था। कार में पांच युवक सवार थे। पांचों युवक टैक्सी से श्रीगंगानगर में चानणा धाम बालाजी के दर्शन करने जा रहे थे। सूचना के बाद जैतसर पुलिस ने मौके से दोनों गाड़ियों को सड़क से साइड में करवाकर हाइवे पर यातायात शुरू करवाया। मृतकों की पहचान सुरेंद्र (20) पुत्र पप्पूराम, नरेश कुमार (20) पुत्र बुधराम, कालूराम (18) के रूप में हुई है। तीनों अनूपगढ़ के रहने वाले थे। सुखदेव (19) पुत्र श्रवण राम और जगदीश कुमार (28) पुत्र मुन्नीराम गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल जगदीश गाड़ी चला रहा था। सुखदेव प्लम्बर का काम करता है। कालूराम और नरेश चचेरे भाई थे सभी अविवाहित थे।

कार-बाइक की टक्कर में एक की मौत

बरौनी थानान्तर्गत बरौनी-शिवाड़ सड़क मार्ग पर हुआ हादसा

निवाई, (निसं)। बरौनी थानान्तर्गत बरौनी-शिवाड़ सड़क मार्ग पर एक कार ने आगे चल रही मोटरसाइकिल के पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर मृतक के पास एक मोबाइल मिला है। थानाधिकारी बृजेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि बुधवार की दोपहर करीब 12 बजे मोबाइल से सूचना मिली कि बरौनी शिवाड़ रोड पर गांव नाहरवाडी मोड़ के पास एक कार ने मोटरसाइकिल के टक्कर मार दी जिससे बाइक चालक घायल हो गया। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बाइक चालक को एंबुलेंस की सहायता से उप जिला अस्पताल निवाई में उपचार के लिए भर्ती करवाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी बृजेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक के पास से मिले मोबाइल की सिम मनराज मीणा पुत्र मोरपाल मीणा निवासी जैतपुरा थाना मित्रपुरा के नाम है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। परिजनों के अस्पताल पहुंचने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया गया।

हथियारबंद बदमाशों ने बस पर हमला कर यात्रियों से डकैती का प्रयास किया

बस में सवार यात्रियों ने शोर मचाया, जिसके बाद बदमाश भाग निकले

- बस रुकते ही बदमाश लाठियां और तलवारें लेकर कार से बाहर निकले और यात्रियों को डराया
- बदमाशों की कार और कुछ संदिग्धों का वीडियो भी रिकॉर्ड किया है

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में बदमाशों के हौसले एक बार फिर हौसले बुलंद नजर आए। दोवड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात हथियारबंद बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में एक ट्रेवल्स बस को रोककर यात्रियों से डकैती का प्रयास किया। घटना के दौरान बस में सवार यात्रियों ने शोर मचाया, जिसके बाद बदमाश मौके से भाग निकले। पूरी वारदात का एक वीडियो भी सामने आया है।

घटनाक्रम के अनुसार बस चालक देवकुमार मीणा रोजाना डूंगरपुर से इंदौर के बीच ट्रेवल्स बस चलाते हैं। मंगलवार शाम बस डूंगरपुर से इंदौर के लिए रवाना हुई थी। रात के समय जब बस डूंगरपुर-आसपुर मार्ग पर पुनाली घाटा पहुंची, तब एक इको कार में सवार 7-8 हथियारबंद बदमाशों ने फिल्मी स्टाइल में बस को ओवरटेक कर आगे रोक लिया। बस रुकते ही बदमाश लाठियां और तलवारें लेकर कार से बाहर निकले और यात्रियों को डराने लगे।

इस दौरान चालक ने तत्काल केबिन की लाइट जला दी। यात्रियों के चिल्लाने और हंगामा करने पर बदमाश घबरा गए और अपनी गाड़ी में बैठकर भाग निकले। ड्राइवर देवकुमार मीणा ने बताया कि बदमाश लूटपाट और तोड़फोड़ की नीयत से आए थे, लेकिन बस में स्थानीय यात्री सवार होने और उनके विरोध करने से वारदात टल गई। घटना की जानकारी तुरंत बस मालिक और दोवडा थाना पुलिस को दी गई। बस चालक ने बताया कि उसने बदमाशों की कार और कुछ संदिग्धों का वीडियो भी रिकॉर्ड किया है, जिसे पुलिस को सौंप दिया गया है। फिलहाल दोवड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में सर्च अभियान चला रही है।

फर्जी आरटीओ बनकर अवैध वसूली करते एक को पकड़ा, पांच जने फरार

- आरोपी रिफ्लेक्टर टेप लगाने के नाम पर वाहनों चालकों से प्रति वाहन 300 रूपये की अवैध वसूली कर रहे थे

परिवहन विभाग के उप परिवहन निरीक्षक रोबिन सिंह ने फर्जी परिवहन विभाग अधिकारी बनकर अवैध वसूली करने के मामले में एक को पकड़कर पूछताछ की।

सादुलपुर, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर गांव लसेड़ी के पास फर्जी परिवहन विभाग अधिकारी बनकर अवैध वसूली करने के मामले में परिवहन विभाग के उप परिवहन निरीक्षक रोबिन सिंह ने फर्जी मामले का पर्दाफाश करते हुए बुधवार को कपिल सवालिया नामक एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले किया है, जबकि पांच अन्य आरोपी फरार होने में सफल हो गए।

जानकारी के अनुसार आरोपी रिफ्लेक्टर टेप लगाने के नाम पर वाहनों चालकों से प्रति वाहन 300 रूपये की अवैध वसूली कर रहे थे तथा नकली रसीदें काटकर गत एक सप्ताह में 1000 से ज्यादा वाहनों चालकों से ठगी की है। परिवहन उप निरीक्षक रोबिन सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर परिवहन विभाग के नाम से अवैध वसूली और फर्जी रसीद काटने का मामला गत 7-8 दिनों से चल रहा था। उन्होंने बताया जांच के दौरान फर्जी रसीद भी बरामद की गई है। परिवहन उपनिरीक्षक रोबिन सिहं ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा परिवहन विभाग के अधिकारी बनकर चालकों से रिफ्लेक्टर टेप लगाने के नाम पर 300 की वसूली की जा रही थी। सूचना मिलने पर बाईपास पर जांच के लिए एक वाहन चालक को रोककर पूछताछ की तो चालक ने बताया कि कुछ देर पहले ही कुछ लोगों ने खुद को परिवहन विभाग का कर्मचारी बताते हुए 300 की रसीद काटी और उसे एक रिफ्लेक्टर टेप दिया। जब टीम ने वह रसीद और रिफ्लेक्टर टेप देखा, तो यह स्पष्ट हो गया कि यह पूरी तरह से फर्जी है और कोई निजी गिरोह चालकों से जबरन वसूली कर रहा है।

उन्होंने बताया कि लसेडी टोल के पास छानबीन की, जहां छह लोगों का एक समूह सक्रिय पाया गया। वाहन चालकों को रोककर उनसे जबरदस्ती पैसे वसूल रहे थे और बदले में घटिया गुणवत्ता की रिफ्लेक्टर टेप देकर रवाना कर रहे थे। पूछताछ के दौरान आरोपी कपिल सवालिया नामक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस को सौंपा है तथा आरोपी ने स्वीकार किया कि वह पिछले 7-8 दिनों से इस काम में शामिल है तथा घटिया रिफ्लेक्टर टेप को काम में लिया जा रहा था। चालकों को लगे कि यह सरकारी जांच है। उन्होंने बताया की परिवहन विभाग ने पूरे मामले को गंभीर आर्थिक अपराध व सरकारी नाम के दुरुपयोग के तहत लेते हुए संबंधित गिरोह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश जारी किए हैं।

सुजान गंगा नहर में एक व्यक्ति का शव मिला

भरतपुर, (निसं)। सुजान गंगा नहर में एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एसडीआरएफ टीम के सहयोग से सबको बाहर निकलवाया और आरबीएम हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस द्वारा शव की शिनाख्त करने पर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

राम सिंह ने बताया कि मेरा भाई गंगाराम (52) निवासी पथेना गांव थाना भुसावर 4 दिन पहले घर निकला था। वह भरतपुर में एक बैंड वाले के यहां काम करता था। वह घर से कहकर निकला था कि वह बैंड वाले से पैसे लेने जा रहा है। तब से वह घर नहीं लौटा। गंगाराम के जबडे में कैंसर था। उसका 15 दिन पहले ही ऑपरेशन हुआ था। गंगाराम को डॉक्टर ने फिर से ट्रीटमेंट के लिए बुलाया था, लेकिन वह डॉक्टर को दिखाने के लिए नहीं गया। गंगाराम की शादी भी नहीं हुई थी। गंगाराम जब घर नहीं लौटा तो, परिजनों ने स्थानीय थाने में उसके गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस को दी थी। बुधवार को उसका शव सुजान गंगा नहर में मिला तो गंगाराम के परिजनों से संपर्क किया और शव की शिनाख्त की गई।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय केन्द्रीय पुस्तकालय में फर्नीचर आपूर्ति मय स्थापना हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन GSU2526GLOB00043 हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/11685 वित्त नियंत्रक

RAJASTHAN SAMWAD

Department of Information and Public Relations, Government Secretariat, Jaipur-302005
(Telephone & Fax No. 0141- 2227325, E-mail id :- rajasthansamwad2002@gmail.com)

NOTICE INVITING BIDS
NIB No. 80 Date : 08/10/2025

Bids for Supply of **Desktop Computer, All in One Computer, Multi Functional Printer, Printer, Scanner & Tablet etc for Head Office & Subordinate District Offices** are from interested bidders up to 06:00 PM Dated 29/10/2025. The approximate value of the Procurement is Rs. 1.50 Crore. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (**http://sppp.raj.nic.in**) of the state; and **https://dipr.rajasthan.gov.in/**.

UBN : IPR2526GLRC00021
Raj.Samwad/C/25/11734
Managing Director
Rajasthan Samwad, Jaipur

राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक :- 1033 **निविदा सूचना संख्या 01/2025-26** दिनांक :- 07/10/2025

राजस्थान आवासन मण्डल की ए.आई.एस. रेजीडेंसी (फेज-द्वितीय), सेक्टर-17, प्रताप नगर, जयपुर आवासीय योजना के अन्तर्गत सी.सी.टी.वी. उपलब्ध करवाने एवं लगवाने के कार्य के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 08.10.2025 से 24.10. 2025 को सायं 6.00 बजे तक राजस्थान सरकार के पोर्टल (http://epoc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) व मण्डल की वेबसाईट http://rhb.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

यू.बी.एन. न.:- RHB2526WSOB00228
राज.संवाद/सी/25/11731 आवासीय अभियंता, खण्ड-पंचम्, जयपुर

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः- 18165186 दिनांकः- 07.10.2025

-:: निविदा सूचना ::-

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: न0प0बू0/निर्माण/2025-26/7020 दिनांक 26/09/2025 की निविदा दिनांक 07/10/2025 से दिनांक 16/10/2025 18.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 17/10/2025 को 15.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 17/10/2025 को 16.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526WSOB20723 तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/11627 नगर परिषद, बून्दी

राजस्थान सरकार
कार्यालय चिकित्सा अधीक्षक, प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल (पी.बी.एम.)
सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, बीकानेर

क्रमांक-ए.जी.एच./लेखा (क्रय)/2025/31292 दिनांक-27.09.2025

अल्पकालीन ई-बोली आमंत्रण सूचना (Stt. E-NIB NO. 17/2025-26)

प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल (पी.बी.एम.) सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, बीकानेर के रक्तकोष विभाग मे काम आने वाले टेस्ट किट्स रिजेन्ट्स, एन्टीसेरा व कन्ज्यूमेबल के क्रय हेतु आमंत्रित निविदा (दोहरी बिड पद्धति) मे इच्छुक बोलीदाता दिनांक 04.10.2025 से 13.10.2025 सायं 05.00 बजे तक निविदा डाउनलोड/अपलोड कर सकते है। बोली आमंत्रण सूचना की महत्वपूर्ण शर्ते व पूर्ण विवरण "http://eproc.rajasthan.gov.in" तथा "http://sppp.rajasthan.gov.in" पर देखी जा सकती है। ई-बोली की अनुमानित लागत 300 लाख है।

UBN NO. MCB2526GLRC00167
चिकित्सा अधीक्षक
प्रिंस बिजय सिंह मोमोरियल (पी.बी.एम.)
सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, बीकानेर
DIPR/C/14617/2025

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2025-26/राजकाज 18129514 दिनांक :- 04/10/2025

अल्पकालीन ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 19/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में एए श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 01 कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें।

UBN विवरण :- WAQ2526WLOB00239
अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम
राज.संवाद/सी/25/11662 भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल, कोटा
Email : nnksouth@gmail.com, Website : www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :- ननिको(द.)/उद्यान/2025/9548 - 57 दिनांक :- 08/10/2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा विभिन्न प्रकार की खेल सामग्री क्रय किये जाने हेतु खेल सामग्री के मूल/विक्रेता/निर्माताओं एवं आपूर्तिकर्ता से ई-निविदा पद्धति द्वारा ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का प्रकार कार्य की अनुमानित राशि 1,38,00,000/- (अक्षरे एक करोड़ अडतीस लाख रूपये) है। निविदा आमंत्रित की दिनांक 09.10.2025 से 15.10.2025 तक प्राप्त करने एवं अन्य शर्ते नगर निगम कोटा की वेबसाईट www.kotamc.org, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. - DLB2526WSRC21010
उपायुक्त प्रथम
राज.संवाद/सी/25/11713 नगर निगम कोटा दक्षिण

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक/निर्माण/2025-26/16829 दिनांक 03.10.2025

ई- निविदा-सूचना सं0 125/2025-26

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 36.17 लाख
UBN Number DLB2526WSOB20524
आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/11693 नगर निगम, बीकानेर

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, मोहनगढ़

नई अनाज मण्डी, सुथार वाला रोड़, ग्राम मोहनगढ़ जिला जैसलमेर
E-Mail id : kums.mohangarh@rajasthan.gov.in Website - http://www.rsamb.rajasthan.gov.in/

Notice Inviting Bid (NIB 02/2025-26)

E-Bids are invited from manufacturers/ directimporters/ Authorized Dealer upto 06.00P.M. of 16.10.2025 for procurement of IT EQUIPMENTS on Tender on behalf of office of the Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti, Mohangarh Details may be seen in the Bidding Document at the office of the Krishi Upaj Mandi Samiti, Mohangarh or State Public Procurement Portal website sppp.raj.nic.in or https://eproc.rajasthan.gov.in or website https://agriculture.rajasthan.gov.in/dam. The bidding document may be downloaded from either of the above websites and uploaded duly filled in with payment of Rs. 1180/-(1000+18% GST) through banker's cheque/demand draft in favour of Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti, Mohangarh, payable at Mohangarh Details of bid are following: -

Sr. No.	Bid Title	NIB No.	UBN No.	Est. Cost
1	IT EQUIPMENTS	DAM2526A0486	DAM2526GLOB00877	11.00 Lac

Secretary,
Raj.Samwad/C/25/11696 Krishi Upaj Mandi Samiti Mohangarh

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

झलकारी बाई स्मारक के पास पंचशील-लोहागल मार्ग, अजमेर (राजस्थान)
फोन नं. 0145-2429971, 2429920

क्रमांक :-MEW/2025-26/1290 दिनांकः- 06.10.2025

:: ई-निविदा सूचना संख्या 37/2025-26 ::

नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाईन ईनिविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	राशि 56.89 लाख (02 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	Date 07.10.25 से 16.10.25 को 6.00 PM तक
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 17.10.25 को 10.30AM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।

Nib Code :-ANN2526A0124
UBN NO. ANN2526WSOB00164, ANN2526WSOB00165
अधिशाषी अभियन्ता
राज.संवाद/सी/25/11697 नगर निगम अजमेर

एल.पी.जी. गैस सिलेंडर ब्लास्ट में टैंकर चालक जिंदा जला, कई लोग घायल

जयपुर-अजमेर नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात ट्रक और टैंकर में भिड़ंत के बाद हुआ था भयावह हादसा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले मौजमाबाद थाना इलाके जयपुर-अजमेर नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात हुए ट्रक और टैंकर में भिडंत से हुए एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट हादसे के बाद बुधवार सुबह तक हालात सामान्य नहीं हो पाए थे। बुधवार सुबह 9 बजे की स्थिति यह थी कि गिदानी से सावरदा तक हाईवे पर करीब दो किलोमीटर तक का लंबा ट्रैफिक जाम रहा है। अजमेर से जयपुर की ओर दूदू से 5 किलोमीटर तक जाम लगा हुआ है। वहीं पुलिस क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर ट्रैफिक सुचारू करने की कोशिश में लगी रही। वहीं फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम भी मौके पर पहुंची और हादसे के साक्ष्य जुटाए। इधर बगरू विधायक कैलाश वर्मा ने कहा कि भगवान का आशीर्वाद रहा कि यहां कोई बड़ी घटना नहीं हुई। 1-2 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने स्थिति पर काबू पा लिया।

जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि हादसे में टैंकर का ड्राइवर रामराज मीणा (35) जिंदा जल गया। जबकि कुछ लोग घायल हैं। झुलसी हुई हालत में चार लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया था। वहीं एक घायल सद्दाम को दूदू से भांकरोटा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एलपीजी ट्रक के पास खड़ी 5 गाड़ियां भी जल गईं। वहीं मौके पर पहुंचीं दमकल की 12 गाड़ियों ने करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि टैंकर में भरे केमिकल ने आग नहीं पकड़ी थी। बुधवार सुबह जब इसे हटाया जा रहा था तभी इसमें से रिसाव शुरू हो गया।

जयपुर-अजमेर नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात एलपीजी गैस सिलैण्डरों से भरे ट्रक और टैंकर की भिडंत के बाद भयावह हादसा हो गया।

इस हादसे में दोनों वाहन ऐसे पिघल गये जैसे, लोहा नहीं प्लास्टिक हो।

पुलिस और एफ.एस.एल. टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए।

मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने एलपीजी गैस से भरे कुछ सिलैण्डरों को घटना स्थल से दूर रखकर उनकी आग बुझाई।

बुधवार सुबह 20 कि.मी. लंबा ट्रेफिक जाम था

यह जाम बुधवार सुबह 7 बजे महला से सावरदा तक करीब 20 किलोमीटर तक लगा हुआ था। इस हादसे के बाद प्रशासन ने रात भर कड़ी मशक्कत की और अधिकांश ट्रैफिक को नासनोदा से मौजमाबाद होते हुए डायवर्ट कर दिया। इसी वजह से 20 किलोमीटर का लंबा जाम अब सिमटकर महज 2 से 5 किलोमीटर का रह गया है। लेकिन यह 2 किलोमीटर का हिस्सा ही इस वक्त सबसे बड़ी चुनौती भरा रहा।

छह घंटे बाद बहाल हुआ यातायात

जयपुर जिला कलेक्टर जितेन्द्र सोनी के निर्देश पर सुबह 4:30 बजे हाईवे दोनों ओर से यातायात के लिए खोल दिया गया। हादसा मंगलवार रात करीब 10 बजे के बाद हुआ था, जिसके बाद 6 घंटे तक मार्ग बंद रहा। हादसे के तुरंत बाद एसएमएस अस्पताल को अलर्ट मोड पर रखा गया। प्लास्टिक सर्जन सहित पूरा स्टाफ इमरजेंसी में तैनात रहा और आईसीयू बेड टेकओवर किए गए। हादसे में जले व्यक्ति का शव देर रात दो बजे प्लास्टिक बैग में मोर्चरी लाया गया।

- 12 दकमलों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू
- बुधवार सुबह तक जारी रहा बेंजीन टैंकर कूलिंग ऑपरेशन

सुबह तक चला बेंजीन टैंकर कूलिंग ऑपरेशन

हादसे के करीब 7 घंटे बाद तक केमिकल टैंकर का तापमान कम नहीं हुआ था। इसके चलते सुबह तक उस पर पानी का छिड़काव जारी रहा। आग पर काबू पाने के बाद जले हुए सिलेंडरों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया। मौजमाबाद तहसीलदार सुरेंद्र विश्नोई ने बताया कि टैंकर में बेंजीन केमिकल भरा था,पेट्रो केमिकल के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। टैंकर गुजरात जा रहा था। यह एक रसायन है, जो रंगहीन, ज्वलनशील तरल है और कच्चे तेल और गैसोलीन का प्राकृतिक घटक है। इसका उपयोग विलायक के रूप में, विभिन्न रसायनों, जैसे दवाएं, प्लास्टिक और डिटर्जेंट के उत्पादन में एक प्रारंभिक पदार्थ के रूप में किया जाता है।

टैंकर व ट्रक में टक्कर से हुआ हादसा

यहां पर केमिकल टैंकर और एलपीजी सिलेंडरों से भरा ट्रक टक्कर के बाद जलकर खाक हो गए थे। जहां एक तेज रफ्तार टैंकर ने हाईवे किनारे खड़े एलपीजी ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक में आग लग गई और एलपीजी सिलेंडरों में लगातार धमाके होने लगे। ये धमाके इतने ज़ोरदार थे कि दो सौ मीटर दूर तक सिलेंडर उछलकर गिरे।

तीन दर्जन दमकलें पहुंची आग बुझाने

आग पर काबू पाने के लिए किशनगढ़ (अजमेर), सांभर (जयपुर), फुलेरा (जयपुर), जयपुर शहर और मुहाना (जयपुर) से तीन दर्जन से भी अधिक दमकल की गाड़ियां पहुंची थीं। अग्निशमन अधिकारी, एसडीआरएफ और आरएसी का जाब्ता भी मौके पर तैनात किया गया। साथ ही मेडिकल टीम भी मौके पर मौजूद रही। अब वहां हालात सामान्य हैं। केमिकल से भरे टैंकर को सुरक्षित तरीके से हटाया गया।

एस.एम.एस. अस्पताल छावनी में तब्दील

हादसे में घायलों के इलाज के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल में अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं । हादसे की सूचना मिलते ही सवाई मानसिंह अस्पताल प्रशासन पूरी तरह से एक्टिव हो गया। एसएमएस थाना पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने मोर्चा संभाला। अस्पताल को छावनी में तब्दील कर दिया गया।

इमरजेंसी में अतिरिक्त चिकित्सक लगाए गए

एसएमएस ट्रॉमा सेंटर के उप अधीक्षक डॉक्टर जगदीश मोदी ने बताया कि गैस सिलेंडर से भरे ट्रक और ट्रेलर की भिड़ंत के बाद भीषण आग लगने से जयपुर अजमेर हाईवे पर बड़ा हादसा होने की सूचना मिली थी। घायल मरीजों के इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर रहे। मरीजों की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए एसएमएस अस्पताल अधीक्षक ने इमरजेंसी में अतिरिक्त चिकित्सक लगाए हैं। इसके साथ ही अतिरिक्त नर्सिंग स्टाफ भी लगाया गया है। वहीं एसएमएस अस्पताल की रात्रिकालीन प्रभारी डॉक्टर अरविंद पालावत, अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. प्रदीप शर्मा, हेमंत तिवाडी समेत सभी डॉक्टर अस्पताल में मौजूद हैं।

इसके साथ ही प्लास्टिक सर्जिंग यूनिट हेड को भी निर्देशित किया गया है कि वह अपने प्लास्टिक सर्जन वार्ड के बेड खाली करके मरीजों के लिए अतिरिक्त व्यवस्था करें। ताकि आने वाले मरीजों का इलाज तुरंत प्रभाव से हो सके। इसके अतिरिक्त संबंधित दवाइयों की भी व्यवस्थाएं की गई हैं। मरीजों के लिए आईसीयू में भी अतिरिक्त व्यवस्था की गई है।

दिसंबर-2024 में भी ऐसे ही हादसे में 20 से ज्यादा जानें गईं थीं

गौरतलब है कि जयपुर-अजमेर हाईवे पर भांकरोटा के पास दिसंबर 2024 में एलपीजी गैस से भरे टैंकर में ब्लास्ट होने के बाद लगी भीषण आग से 20 लोगों की मौत हो गई थी। यू टर्न लेते समय एक ट्रक ने टैंकर को टक्कर मार दी थी। नोजल टूटने से गैस लीक होने के कारण उस समय तेज धमाके के साथ आग लग गई थी।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों की देखभाल व शिक्षा के लिए एम.ओ.यू.

निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा कार्यक्रम के सुदृढ़ीकरण के लिए बुधवार को गैर सरकारी संस्थाओं के साथ तीन एमओयू किए गए।

जयपुर । निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा कार्यक्रम के सुदृढ़ीकरण के लिए बुधवार को गैर सरकारी संस्थाओं के साथ तीन एमओयू किए गए।

आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित भामाशाह योजना के तहत विभाग द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं एवं योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन व मानिटरिंग हेतु 3 गैर सरकारी संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये हैं। इन एमओयू के तहत आईसीडीएस द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल वं शिक्षा(ईसीसीई) कार्यक्रम को और अधिक सुदृढ़ करने की कार्य योजना है।

आईसीडीएस निदेशक ने तीनों एमओयू के तहत होने वाले कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि रॉकेट लर्निंग संस्था द्वारा 3 से 6 वर्ष के बच्चों के अभिभावको व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का डिजिटल मीडिया समूह के माध्यम से डिजिटल ईसीसीई गतिविधियां भिजवाने के साथ-साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को खेल आधारित शिक्षण, शिक्षण प्रबंधन पर प्रशिक्षण प्रदान करेगा। बारां जिले में सैसमे वर्कशॉप इंडिया ट्रस्ट आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का क्षमता वर्धन एवं वाश कार्यक्रम के अंतर्गत सहयोग प्रदान करेंगे व बारां जिले की चिन्हित 500 आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को शाला पूर्व किट भी उपलब्ध कराएंगे। बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रन) द्वारा राजसमंद, पाली और जोधपुर जिले की चिन्हित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आधारभूत सुविधाओं को विकसित करने, नियमित ईसीसीई गतिविधियों के संचालन तथा पंजीकृत बच्चों की माताओ के समूह बनाकर स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में कार्य किया जाएगा।

लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण पर वैश्विक संवाद

जयपुर । बारबाडोस की राजधानी ब्रिजटाउन में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के 68वें वार्षिक सम्मेलन का भव्य शुभारंभ हुआ।

इस वैश्विक आयोजन में लोकतंत्र, संवाद और साझा मूल्यों के माध्यम से समावेशी एवं सतत विकास को लेकर व्यापक चर्चा की जा रही है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में विश्वभर के अनेक देशों एवं राज्यों के संसदीय प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। भारत से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सहित कई राज्यों के विधानसभाओं के अध्यक्षों ने सक्रिय भागीदारी की।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सम्मेलन को 'प्रेरणादायक अनुभव' बताया। उन्होंने कहा कि, "68वें कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन में भागीदारी करना एक गर्व का विषय है। इस मंच पर लोकतांत्रिक मूल्यों के आदान-प्रदान से एक अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी वैश्विक समाज के निर्माण की दिशा में सार्थक पहल होगी।" देवनानी ने यह भी कहा कि भारत, जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, उसकी मजबूत संसदीय परंपरा और लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता इस मंच पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल की सक्रिय उपस्थिति, भारत की वैश्विक भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करती है। इस वर्ष सम्मेलन का केंद्रीय विषय 'कॉमनवेल्थ: एक वैश्विक साझेदार' रखा गया है, जिसमें संसदीय संवाद, सहयोग, और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन पर विशेष बल दिया गया। सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधि वैश्विक चुनौतियों के समाधान हेतु संयुक्त प्रयासों की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं।

डॉ. रूमादेवी ने किया सुमंगल-दीपावली मेले का भ्रमण

जयपुर । सुमंगल-दीपावली मेला-2025 में बुधवार को प्रसिद्ध लोककला विशेषज्ञ डॉ. रूमादेवी ने मेले का भ्रमण किया और राजीविका की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा प्रदर्शित कलाकृतियों की सराहना की।

उन्होंने महिला कलाकारों के कौशल, नवाचार और पारंपरिक कला को एक साथ प्रस्तुत करने के प्रयास को अत्यंत सराहनीय बताया और कहा कि इस प्रकार के मंच ग्रामीण महिला कलाकारों को पहचान और सशक्तिकरण के अवसर प्रदान करते हैं। मेले में विदेशी आगंतुकों ने भी भ्रमण किया और राजीविका की महिला सदस्यों द्वारा प्रदर्शित हस्तशिल्प उत्पादों एवं स्थानीय व्यंजनों में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के कौशल, उत्पादों की गुणवत्ता एवं पारंपरिक कला की विविधता की प्रशंसा की और भारतीय संस्कृति को नज़दीक से समझने में गहरी रुचि व्यक्त की।

ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा आयोजित सुमंगल-दीपावली मेला-2025 में आज पारंपरिक लोक कला और चित्रकला को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया, जिसने आगंतुकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। मेले में स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों द्वारा निर्मित चित्रकला का अनूठा संगम देखने को मिला, जिसमें जयपुर की मंडला आर्ट, प्रतापगढ़ की मंडना कला, अजमेर की बनी ठनी एवं पिचवाई पेंटिंग, तथा जयपुर की हैंड पेंटिंग प्रमुख रूप से प्रदर्शित की गईं।

इन चित्रकलाओं में ग्रामीण परंपरा, कलात्मकता और सूक्ष्मता का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। राजीविका की महिला कलाकारों द्वारा की गई बारीक नक्काशी और कलात्मक शिल्प को मेले में आए विशिष्ट अतिथियों और आगंतुकों ने सराहा। आगंतुकों ने इन चित्रों में निहित पारंपरिक सौंदर्य, रंगों का संयोजन तथा रचनात्मकता की खुले शब्दों में प्रशंसा की।यह प्रदर्शनी न केवल ग्रामीण कला को एक सशक्त मंच प्रदान कर रही है, बल्कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की सृजनशीलता एवं आत्मनिर्भरता का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

राजस्थान शिक्षा विभाग के नवाचारों को मिली राष्ट्रीय स्तर पर सराहना

जयपुर । केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन में आयोजित वित्त वर्ष 2025-26 की द्वितीय समीक्षा बैठक में राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा किए गए नवाचारों और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की सराहना की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता सचिव संजय कुमार ने की। राजस्थान की ओर से बैठक में शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल तथा राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा जोरवाल ने भाग लिया। कुणाल ने राज्य की शिक्षा योजनाओं, कार्यक्रमों और नवाचारों की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की।

राजस्थान के प्रतिनिधित्व के दौरान समग्र शिक्षा, स्टार्स परियोजना, पीएम श्री स्कूल, विकसित भारत बिल्डाथॉन, पीएम पोषण, डिजिटल एजुकेशन, परख, निपुण भारत, उल्लास, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, एसएमसी तथा 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' जैसे अभियानों की प्रगति, उपलब्धियों और नवाचारों की जानकारी दी गई। राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा जमीनी स्तर पर की जा रही इन पहलों के क्रियान्वयन, विद्यार्थियों तक उनके प्रभाव और सतत प्रयासों को लेकर केंद्रीय मंत्रालय ने विशेष प्रशंसा व्यक्त की।

बैठक में देशभर के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के शिक्षा सचिवों और राज्य परियोजना निदेशकों ने भाग लिया और अपने-अपने राज्यों की शिक्षा योजनाओं व अनुभवों को साझा किया। राजस्थान शिक्षा विभाग की ओर से प्रस्तुत किए गए नवाचार अब अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहे हैं। बैठक के दौरान विभिन्न प्रतिनिधियों ने इन पहलों में रुचि दिखाई और कई योजनाओं को अपने राज्यों में लागू करने की इच्छा भी जताई।

गहलोत और डोटासरा ने पेपर लीक और भर्ती घोटाले से राजस्थान को गर्त में पहुंचाया था : मदन राठौड़

- कांग्रेस की राजनीति सस्ती बयानबाज़ी और खोखले नारों तक सिमटी : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष
- मदन राठौड़ ने कटाक्ष करते हुए कहा कि "कांग्रेस में जिलाध्यक्ष चयन से अभिनव प्रयोग नहीं, बल्कि पार्टी की अंदरुनी खींचतान उजागर हो रही है"

जयपुर (कासं) । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिए गए अनर्गल बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

कांग्रेस की राजनीति सस्ती बयानबाज़ी और खोखले नारों तक सिमट कर रह गई है। राठौड़ ने कहा कि गोविंद डोटासरा द्वारा जयपुर-अजमेर हाईवे हादसे और एसएमएस अस्पताल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर दिया गया बयान पूरी तरह राजनीतिक स्वार्थ और झूठे दावों से प्रेरित है। कांग्रेस खुद उस शासन का हिस्सा रही है जिसने पेपर लीक, भर्ती घोटाले और प्रशासनिक लापरवाही से प्रदेश को गर्त में पहुंचाया था। कांग्रेस जब सत्ता में थी, तब न मुआवज़ा दिया, न दोषियों पर कोई कार्रवाई की। आज भाजपा सरकार त्वरित कार्रवाई कर रही है, उच्चस्तरीय जांच करवा रही है और पीड़ितों को न्याय देने के लिए प्रतिबद्ध है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस का यह कहना कि सबूत मिटा दो, खानापूर्ति कर दो, आरोप नहीं, प्रोपेगेंडा है। अगर डोटासरा के पास कोई ठोस सबूत हैं, तो वे सार्वजनिक करें।

राजनीति की जगह समाधान सुझाएं,अगर वास्तव में संवेदनशील हैं तो ? राठौड़ ने बिहार चुनाव और राहुल गांधी की यात्रा को लेकर अशोक गहलोत के बयानों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं की यह आत्ममुग्धता और भ्रम से भरी बयानबाज़ी अब अप्रासंगिक हो चुकी है। अगर राहुल गांधी की यात्राओं का इतना असर होता, तो कांग्रेस एक के बाद एक राज्य क्यों हारती जा रही है? बिहार में भाजपा और एनडीए की पकड़ मजबूत है और कांग्रेस को वहां भी जनता पूरी तरह नकार चुकी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर बेबुनियादी आरोप लगाना सिर्फ नकारात्मकता फैलाने के हथकंडे हैं, जिनका लोकतंत्र से कोई लेना-देना नहीं। गहलोत जिलाध्यक्ष चयन को अभिनव प्रयोग बता रहे है, जबकि इनकी पार्टी में जमकर अंदरुनी खींचतान चल रही है।

कांग्रेस में लोकतंत्र नहीं, गुटबाजी का संतुलन साधने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस की यह कवायद अवसरवादी नियुक्तियों और गांधी परिवार को खुश करने तक सीमित है। न पारदर्शिता है, न कोई जवाबदेही तय है।

गहलोत का यह दावा कि देश को जोड़ने की ताकत केवल कांग्रेस में है, पूरी तरह तथ्यों से परे और विडंबनापूर्ण है। सच्चाई यह है कि कांग्रेस ने दशकों तक जातिवाद, तुष्टिकरण और क्षेत्रवाद के ज़रिए देश को बांटने का काम किया। भाजपा की "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की नीति ने जम्मू-कश्मीर से लेकर नॉर्थ ईस्ट तक एकता और विकास का नया रास्ता खोला है।

भीलवाड़ा में पूर्व सी.एम. शिवचरण माथुर और सुशीला देवी की मूर्ति का अनावरण

स्व. शिवचरण माथुर का राजनीतिक जीवन पूरी तरह जनसेवा को समर्पित रहा : सचिन पायलट

भीलवाड़ा,(निसं)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं असम के राज्यपाल रहे स्व. शिवचरण माथुर और उनकी धर्मपत्नी स्व. सुशीला देवी माथुर की मूर्तियों अनावरण का बुधवार को महिला आश्रम, पथिक नगर कैंपस में किया गया। कार्यक्रम में ए.आई.सी.सी. महासचिव सचिन पायलट, पूर्व केंद्रीय मंत्री एमएम पल्लम राजू, एआईसीसी मीडिया डिपार्टमेंट चेयरमैन पवन खेड़ा, पूर्व मंत्री बी.डी.कल्ला, पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी, दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, शिवचरण माथुरजी की पुत्री वंदना माथुर, पीसीसी सचिव विभा माथुर और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुये सचिन पायलट ने कहा कि मैं सबसे पहले जन्मशताब्दी पर माथुर साहब को श्रद्धांजलि देता हूं। आज इस संस्था की शुरुआत करने के लिए आप सब यहां मौजूद हैं। माथुर साहब की आपने जीवनी देखी मैं इतना कहना चाहूंगा जो लोग आज राजनीति में हैं, शासन करते हैं, वो देखे जब माथुर साहब का कार्यकाल रहा, उन्होंने यह बात स्थापित करी संस्कार के साथ पढ़ाई-लिखाई के साथ सोच विचार के साथ जनता की भलाई के लिए योजनाएं और परियोजना लाते हैं। उससे बहुत लंबे समय तक जनता को लाभ मिलता है। उस प्रकार के संस्कार उस प्रकार की सोच और पढ़ने-लिखने वाले लोग जब शासन को संभालेंगे तभी देश और प्रदेश का भाग्य बदलेगा। सचिन पायलट ने उन्हें नारी शिक्षा और सशक्तिकरण की अग्रदूत बताते हुए कहा कि उन्होंने समाज सुधार के क्षेत्र में जो कार्य किए, वे राजस्थान ही नहीं, पूरे देश के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों और स्वावलंबन की दिशा में जो पहल की, वह आज भी समाज के विकास में मार्गदर्शक बनी हुई है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने बुधवार को राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं असम के राज्यपाल रहे स्व. शिवचरण माथुर और उनकी धर्मपत्नी स्व. सुशीला देवी माथुर की मूर्तियों का अनावरण किया। उन्होंने स्व. माथुर की जीवनी पर तैयार पुस्तिका का भी विमोचन किया।

- सचिन पायलट ने कहा "स्व.शिवचरण माथुर नारी शिक्षा और सशक्तिकरण की अग्रदूत थे। उन्होंने समाज सुधार के क्षेत्र में जो कार्य किए, वे राजस्थान ही नहीं, पूरे देश के लिए प्रेरणादायक हैं।"

पायलट ने कहा कि शिवचरण माथुर का राजनीतिक जीवन पूरी तरह जनसेवा को समर्पित रहा। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने बताया कि प्रदेश एवं भीलवाड़ा जिले के विकास में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। भीलवाड़ा डेयरी की स्थापना, वस्त्र नगरी का विकास, मांडलगढ़ में बांधों का तंत्र, रेलवे योजनाएँ और अनेक लोककल्याणकारी कार्य उनके दूरदर्शी नेतृत्व के उदाहरण हैं। जनता आज भी उन्हें उनके सरल स्वभाव और ज़मीनी जुड़ाव के लिए याद करती है। भीलवाड़ा के बाद मांडलगढ़ में शिवचरण माथुर विकास एवं सेवा संस्थान, मांडलगढ़ कार्यालय के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया।

बनास नदी में हो रहे अवैध बजरी खनन को लेकर किसानों का प्रदर्शन

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के कई इलाकों से गुजर रही बनास नदी को अवैध बजरी खनन से जुड़े माफियाओं ने छलनी करके रख दिया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर के नेतृत्व में प्रभावित किसानों ने हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना के खिलाफ ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंच प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि उच्च न्यायालय जयपुर की ओर से सिविल पिटीशन 4250/2012 में खनन पर प्रतिबंध होने के बावजूद लीजधारक महादेव इन्क्लेव प्रा. लि. खुलेआम इनका इस्तेमाल कर रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बनास नदी के ब्लॉक नंबर 7 में 8 से 10 मीटर गहरा खनन किया जा रहा है, जबकि अनुमति केवल 0.5 मीटर की है। इससे सरकार को प्रतिदिन करोड़ों रुपये का राजस्व नुकसान हो रहा है। लीजधारक कंपनी द्वारा चरागाह भूमि पर रास्ते बना दिए गए पेड़ों को काट दिया गया। नदी के बहाव क्षेत्र को अवरुद्ध कर दिया गया है। इससे चरागाह की घास नष्ट हो गई और मवेशी भूखे मरने की स्थिति में हैं। कंपनी ने न तो पर्यावरण स्वीकृति के तहत पेड़ लगाए और न ही सीमा निर्धारण के पिलर लगाए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और माइनिंग विभाग पर लीजधारक से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा भी किया।

प्रभावित किसानों ने हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना के खिलाफ ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया।

- हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना के खिलाफ किसान भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा
- ग्रामीणों ने बताया कि बनास नदी के ब्लॉक नंबर 7 में 8 से 10 मीटर गहरा खनन किया जा रहा है, जबकि अनुमति केवल 0.5 मीटर की है

आरोप है कि पुलिस द्वारा डंपर की सुरक्षा में बजरी निकाली जा रही है और विरोध करने पर ग्रामीणों को डराया धमकाया जा रहा है। ठेकेदार के कुछ कर्मचारियों पर अवैध हथियार रखने और हिस्ट्रीशीटर होने के आरोप भी लगाए गए। राष्ट्रीय सचिव गुर्जर ने कहा कि अगर अवैध खनन नहीं रुका तो बनास की गहराई कुओं से अधिक हो जाएगी जिससे सिंचाई और पेयजल संकट खड़ा होगा, किसानों और मवेशियों का जीवन खतरे में आ जाएगा। ब्लॉक नंबर 7 की लीज तुरंत निरस्त करने, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की सख्ती से पालना करने, अवैध मशीनों और डंपरों पर कार्रवाई करने, माइनिंग विभाग और लीजधारक के बीच की मिलीभगत की जांच की करने और पर्यावरण और चरागाह भूमि की बहाली की व्यवस्था की सहित हाथ से बजरी निकालने की मांग की है।

बिजली कंपनी एमडी ने दो इंजीनियर सहित तीन को सस्पेंड किया

नोखा के काकड़ा गांव में बिजली चोरी मामले में कार्रवाई नहीं करने पर कार्रवाई की

बीकानेर, (निसं)। जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल ने बुधवार को जिला वृत्त अधिकारियों की बैठक के दौरान दो इंजीनियर सहित तीन को सस्पेंड कर दिया। नोखा के काकड़ा गांव में बिजली चोरी मामले में कार्रवाई नहीं करने पर ये कार्रवाई की गई।

तीन इंजीनियर को चार्जशीट जारी करने के आदेश दिए। जोनल चीफ इंजीनियर ऑफिस में हुई बैठक के दौरान ये कार्रवाई की। नोखा के काकड़ा गांव में एक साथ 8 अवैध ट्रांसफार्मर से बिजली चोरी पर हुई कार्रवाई की जानकारी दी गई। बिजली चोरी के प्रति लापरवाही पर नाराजगी जाहिर करते हुए प्रबंध निदेशक ने क्षेत्र के जूनियर इंजीनियर अजयपाल सिंह व तकनीकी कर्मचारी राजेंद्र कुमार के विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही की गई। इसके साथ लक्ष्य के अनुरूप कार्य नहीं करने वाले असिस्टेंट इंजीनियर नापासर, सहायक अभियंता (ग्रामीण) नोखा, जूनियर इंजीनियर भामटसर के खिलाफ चार्जशीट के निर्देश निदेशक (तकनीकी) को दिए गए। प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों को टारगेट पूरे करने के आदेश दिए। फील्ड स्तर पर टीम भावना से काम करने और नियमित मॉनिटरिंग के आदेश दिए। उन्होंने कृषि कनेक्शन शीघ्र जारी करने के आदेश दिए। कृषि कनेक्शनों में लापरवाही पर असंतोष जताया। प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों को रबी सीजन से पूर्व सभी लंबित कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए। विजिलेंस लक्ष्यों की पूर्ति नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए विजिलेंस टीम बनाकर उपभोक्ताओं से बकाया वसूली की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग कनेक्शनों के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में निदेशक (तकनीकी) वी के छंगाणी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (मुख्यालय) अशोक गोयल, अधीक्षण अभियंता जिला वृत्त भूपेंद्र भारद्वाज एवं जिले के समस्त अधिशासी एवं सहायक अभियंता उपस्थित रहे।

आपसी कहासुनी में दो जनों को चाकू मारा

भीलवाड़ा, (निसं)। छोटी-छोटी बातों को लेकर पड़ोसियों के बीच कभी-कभी जुबानी जंग हमले में बदल जाती है। इसका नतीजा बड़ी वारदात के रूप में भी कभी-कभी सामने आता है। ऐसा ही मामला पुर के चौबे मोहल्ले से सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसारयहां एक व्यक्ति के मकान का काम चल रहा था तो पड़ोस के ही प्रकाश, सुनील और अनुराग गहलोत ने आपत्ति की। यहां तक कि गाली देने लगे और उनको गिरा दिया।

इस बीच अनुराग अंदर से चाकू लेकर आया। हाल यह रहा कि दो व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। दीपक पाठक ने बताया कि घायलों को एमजी अस्पताल के ट्रोमा वार्ड में भर्ती करना पड़ा। इधर आरोपी के खिलाफ पुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही पुलिस ने एमजी अस्पताल पहुंचकर घायलों और पीड़ितों से भी बयान लिए हैं। आगे की कार्रवाई जारी है।

जेजेटी यूनिवर्सिटी की नर्सिंग पीएचडी डिग्रियों की वैधता पर संदेह!

झुंझुनूं, (निसं)। चुड़ैला स्थित श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला (जेजेटी) विश्वविद्यालय ने अब तक 4000 से अधिक पीएचडी डिग्रियां जारी की हैं, जिनमें नर्सिंग विषय की 400 से अधिक डिग्रियां भी शामिल हैं, लेकिन हाल ही में डॉ. सागरसिंह कछावा के आरटीआई के जवाब में भारतीय नर्सिंग परिषद (आईएनसी) ने स्पष्ट कर दिया है कि इस विश्वविद्यालय द्वारा संचालित नर्सिंग पीएचडी कार्यक्रम को कानूनी मान्यता प्राप्त नहीं है।

- 400 से अधिक नर्सिंग पीएचडी डिग्रियां जारी, आरटीआई में भारतीय नर्सिंग काउंसिल का मान्यता से इनकार

भारतीय नर्सिंग परिषद के अनुसार यह डिग्री भारतीय नर्सिंग काउंसिल अधिनियम, 1947 की धारा 10 के तहत मान्यता प्राप्त नहीं है। यानी इस विश्वविद्यालय से प्राप्त नर्सिंग पीएचडी डिग्री को मान्यता नहीं मिली है, जिसने हजारों छात्रों के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है। अभ्यर्थियों ने अपनी डिग्री की वैधता और कॅरिअर विकल्पों को लेकर चिंता व्यक्त की है। क्योंकि मान्यता न मिलने की स्थिति में वे सरकारी सेवाओं, शैक्षिणक कार्य या शोध कार्यों में समस्या का सामना कर सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की डिग्रियां शिक्षा क्षेत्र की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को प्रभावित करती हैं। इस मामले में विश्वविद्यालय और संबंधित उच्च शिक्षा नियामक संस्थाओं से इस स्थिति की जांच कर उचित कदम उठाने की मांग की जा रही है। साथ ही, नर्सिंग और अन्य विषयों में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों से सतर्क रहने और मान्यता सत्यापित करने की अपील की गई है। शिक्षा विभाग द्वारा भी इस संबंध में निगरानी बढ़ाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके और छात्रों के हितों की रक्षा की जा सके। यह मामला न केवल विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है बल्कि पूरे शैक्षिणक तंत्र में विश्वास के मुद्दे को भी उजागर करता है, जिसके लिए ठोस और पारदर्शी कार्रवाई आवश्यक है।

महाजन फायरिंग रेंज में भारत और रूस के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास "इंद्रा" शुरू

भारत और रूस के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास की शुरुआत 2003 से हुई थी

बीकानेर, (निसं)। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारत और रूस के बीच युद्धाभ्यास "इंद्रा" शुरू हो गया। 15 अक्टूबर तक चलने वाले इस युद्धाभ्यास के उद्घाटन समारोह में रूसी सेना के मेजर जनरल आंद्रे कोजलोव और भारतीय सेना की गांडीव डिवीजन के कमांडर मेजर जनरल संजय चंद्र कांडपाल सहित दोनों देशों की सैन्य टुकड़ी शामिल हुई।

- इंद्रा एक्सरसाइज का उद्देश्य, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई सहित दोनों देशों की सेनाओं के बीच समन्वय और सामंजस्य बढ़ाना है

गौरतलब है कि भारत और रूस के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास की शुरुआत 2003 से हुई थी। साल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से इंद्रा एक्सरसाइज को रोक दिया गया था। इंद्रा एक्सरसाइज का उद्देश्य, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई सहित दोनों देशों की सेनाओं के बीच समन्वय और सामंजस्य बढ़ाना है। एक्सरसाइज के जरिए दोनों देशों की सेनाएं, आतंकवाद रोधी अभियानों की रणनीति में सुधार करना भी शामिल है। एक्सरसाइज के जरिए दोनों देशों की सेनाएं परिचालन क्षमता बढ़ाने और आधुनिक युद्ध के संदर्भ में सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने पर विशेष ध्यान देंगी। साथ ही अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग मजबूत करना और साझा सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए संयुक्त क्षमता विकसित करना है। एक्सरसाइज के जरिए भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

नवजात बच्चों को फैंकने की घटनाओं पर रालसा ने संज्ञान लिया

भीलवाड़ा, (निसं)। पिछले दिनों भीलवाड़ा के बिजौलियां में 15 दिन के शिशु को मुंह में पत्थर ठूस फेंकने के मामले ने पूरे प्रदेश को झंकझोर दिया था। ऐसी घटनाओं की पुनरावर्ती रोकने के लिए राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,जयपुर (राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर) द्वारा ऐसी घटनाओं पर संज्ञान लिया गया एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को जिलों में स्थित पालना गृहों के निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया।

- पालना गृह का सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने निरीक्षण किया

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधीकरण,जयपुर के निर्देशों की पालना में बुधवार को विशाल भार्गव (अपर जिला न्यायाधीश) सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाड़ा ने भीलवाड़ा जिले में स्थापित दो पालना गृह, महात्मा गांधी चिकित्सालय ,भीलवाड़ा एवं राजकीय दत्तक ग्रहण ऐजेंसी, राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह पालड़ी का निरीक्षण किया एवं उपस्थित अधिकारी से पालना गृहों का निर्धारित मानकों के अनुसार संचालन किया जा रहा है या नहीं व सुरक्षित छोड़े गये नवजातों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, स्वास्थय तथा उनको दी जा रही अन्य चिकित्सा सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश दिये। विशाल भार्गव ने तालुका स्तर पर भी पालना गृह स्थापित करने के लिए जिला कलेक्टर व निदेशक समाज कल्याण विभाग को पत्र प्रेषित किया।

बंदी फरार

बीकानेर, (निसं)। यहां खुली जेल में बंद सजायाफ्ता बंदी बीती शाम फरार हो गया। अपने बेहतर आचरण के चलते उसे खुली जेल में रखा गया था, जहां से वो मंगलवार की शाम फरार हो गया। जेल प्रशासन ने अब बीछवाल पुलिस थाने में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। महाराष्ट्र के मुरैना का रहने वाला रूप सिंह मंगलवार को सुबह खुली जेल में था। वो दिनभर वहां काम करता और शाम को भी खुली जेल में सोता था। यहां के सभी बंदियों की सुबह और शाम हाजिरी होती है। मंगलवार शाम करीब सात बजे हाजिरी ली गई तो उसमें रूप सिंह नहीं था। खुली जेल में सभी जगह रूप सिंह की तलाश की गई, लेकिन वो नहीं मिला।उसके गायब होने से बंदीगृह के सुरक्षाकर्मियों के होश उड़ गए। तुरंत इधर-उधर ढूंढा गया लेकिन रूप सिंह नहीं मिला। बुधवार को भी उसकी तलाश की गई लेकिन वो फरार ही रहा। अब बीछवाल पुलिस ने उसके घर के साथ ही परिचितों के यहां भी जांच बढ़ा दी है। बीछवाल थाने में बीएनएस की धारा 262 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच हेड कॉन्स्टेबल सुरेंद्र कुमार को सौंपी गई है।

चोरी करने वाली अंतर्राष्ट्रीय गैंग का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अपराधी इतने शातिर हो चुके हैं कि दूसरे के कागज लगा कर ट्रक ड्राईवर की नौकरी हासिल करते और रास्ते में ही लाखों के सामान को पार कर लेते। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में ऑनलाइन ठगी, सेक्सटॉर्शन, ओएलएक्स, म्यूल अकाउंट, फर्जी सिम आदि फ्रॉड के विरुद्ध नेकीराम पुलिस निरीक्षक, पुलिस थाना लक्ष्मणगढ़ जिला अलवर के निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए फिल्पकार्ट कम्पनी के ट्रक में से कीमती मोबाईल फोन व अन्य कीमती सामान चोरी करने वाली अन्तर्राष्ट्रीय गैंग का पर्दाफाश करते हुए चोरी किये गये एपल कम्पनी के 27 मोबाइल फोन सहित तीन आरोपी गिरफ्तार किये गये।

पुलिस ने सामान चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- फ्लिपकार्ट कंपनी के ट्रक से 226 मोबाइल फोन व अन्य सामान चुराया था

घटना अनुसार परिवादी लखनपाल सिंह निवासी भोराकला बिलासपुर थाना बिलासपुर जिला गुड़गांव हरियाणा ने एक रिपोर्ट इस आशय की पेश कि की मेरी ट्रांसपोर्ट कम्पनी अमृतसिंह मोटर के वाहन को फर्जी दस्तावेज पेश कर प्राप्त कर भिवण्डी महाराष्ट्र में फ्लिपकार्ट वेयर हाउस से माल भरकर लाया गया और उक्त वाहन में से 234 आईटम गायब हुए हैं, जिनमें 221 आईफोन, 16, वीवो फोन, 1 सेमसंग गेलेक्सी, 2 रेडमी फोन, 1 हैड फोन आदि सामान थे। इस तरह दोनों ड्राईवर नासिर खान व चाहत खान ने लोड वाहन ट्रक में से मुम्बई व दिल्ली के बीच पड़ने वाले रास्ते में 234 आइटम चुरा लिये। जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि नासिर खान व चाहत खान नाम के व्यक्तियों ने अपने फर्जी दस्तावेज पेश किये थे औऱ नासिर खान व चाहत खान नाम के दोनों व्यक्ति इस नाम के ना होकर क्रमशः अफजल व असलम निवासी गोठडीगुरु के हैं।

इस पर मुकदमा दर्ज कर जांच की। जांच के दौरान अफजल निवासी गोठडीगुरु थाना लक्ष्मणगढ़ जिला अलवर, असलम निवासी गोठडीगुरु थाना लक्ष्मणगढ जिला अलवर, सुधीर यादव निवासी असलीमपुर की ढाँणी तिजारा थाना तिजारा जिला खैरथल तिजारा को गिरफ्तार किया गया व 27 एप्पल कम्पनी के मोबाइल फोन बरामद किये गये हैं।

सड़क हादसे में एक की मौत

निवाई, (निसं)। मंगलवार की रात में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बरथल तिराहे के समीप एक अज्ञात वाहन ने एक कार के टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में कार में सवार तीन जने घायल हो गए जिनमें से उपचार के दौरान जयपुर में एक की मौत हो गई। बरोनी थाना प्रभारी बृजेंद्रसिंह ने बताया कि मंगलवार की रात को अज्ञात वाहन ने एक कार के टक्कर मार दी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बृजेश पुत्र भंवरलाल सैन निवासी बूंदी गोठड़ा थाना डबलाना, जिला बूंदी, भरत सिंह पुत्र राम सिंह निवासी सरसोवा, जिला बूंदी व सीताराम पुत्र कल्याणमल चंदेल निवासी डबलाना को घायलावस्था में निवाई अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से चिंताजनक हालत में तीनों को जयपुर रैफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि उपचार के दौरान जयपुर में भरत सिंह की मौत हो गई।

शोभायात्रा के साथ दो दिवसीय "थार महोत्सव" शुरू

विभिन्न प्रतियोगताएं आकर्षण का केन्द्र रही, नक्षत्री थार सुन्दरी और धमेन्द्र डाबी थारश्री बने

बाड़मेर, (नि.सं.)। जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बाड़मेर जिला मुख्यालय पर राजस्थानी कला, संस्कृति, लोक गायकी और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय थार महोत्सव का आगाज जिला कलेक्टर टीना डाबी ने गांधी चौक पर शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया। यह भव्य शोभायात्रा मुख्य बाजार, स्टेशन रोड़, नेहरू नगर होते हुए करीब डेढ़ किलोमीटर का सफर तय करते हुए आदर्श स्टेडियम पहुंची।

- दादा-पोता दौड़ में 67 साल के मूलाराम और 14 साल के पोते महिपाल ने रेस जीती
- दंपती दौड़ में सरकारी अध्यापक सवाईराम अपनी पत्नी का हाथ पकड़कर दौड़े और रेस जीती

थार महोत्सव का जिला कलेक्टर टीना डाबी ने शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर आगाज किया।

थारश्री बने धर्मेन्द्र डाबी।

इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश लिए गांधी चौक से रवाना हुईं। शाही लवाजमे के साथ निकली शोभायात्रा में विभिन्न क्षेत्रों से आए दलों ने प्रस्तुतियां दी। ऊंट, घोड़े, ऊंट गाड़ी पर सवार लोक कलाकारों ने गीतों की प्रस्तुतियां दी। शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। इस बार महोत्सव में कार्यक्रमों की थीम रंग रेगिस्तान पर रखी गई है। शोभायात्रा के आदर्श स्टेडियम पहुंचने पर थार महोत्सव का रंगारंग कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। यहां गेर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। यहां जिला कलक्टर टीना डाबी, जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार, बाड़मेर उपखंड अधिकारी यशार्थ शेखर, आईएएस छाया सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत ने हाइड्रोजन बैलून छोड़कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में शहरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उनका उत्साह देखते ही बन रहा था। इस दौरान समाजसेवी दीपक कड़वासरा, रमेशसिंह इंदा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसाराम बोस समेत विभिन्न विभागीय अधिकारी, कार्मिक, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस दौरान थार श्री एवं थार सुन्दरी प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें से निर्णायक मंडल ने मुंबई के सोफिया कॉलेज में पढ़ने वाली नक्षत्री को थार सुन्दरी चुना। वहीं बाड़मेर में मैकेनिक का काम करने वाले धर्मेन्द्र डाबी ने परंपरागत पोषाक, आभूषण, व्यक्तित्व के आधार पर थारश्री का खिताब जीता। घुड़सवारी प्रतियोगिता में बाड़मेर शहर निवासी रूपसिंह अपने घोड़े श्याम को लेकर पहुंचे। इस दौरान दादा-पोता दौड़ में 67 साल के मूलाराम और 14 साल के पोते महिपाल ने रेस जीती। इसी तरह दंपती दौड़ में सरकारी अध्यापक सवाईराम अपनी पत्नी का हाथ पकड़कर दौड़े और रेस जीती। वहीं महिलाओं ने सिर पर मटका लेकर दौड़ लगाई। इस मटका दौड़ में बिशाला की रतनी विजेता रही। इस दौरान साफा बांधने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान प्रशासन और मीडिया के बीच रस्साकस्सी का रोचक मुकाबला हुआ, जिसमें जिला प्रशासन की टीम विजेता रही और मीडिया टीम उप विजेता रही। इन टीमों को जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार और बाड़मेर उपखंड अधिकारी यशार्थ शेखर ने ट्रॉफी प्रदान की।

थार महोत्सव के प्रथम दिन आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में ढोल वादन में सैफ अली खान विजेता, पनिहारी मटका दौड़ रतनी, परमेश्वरी, सुशीला, मेहंदी प्रतियोगिता में प्रियंका, लक्ष्मी, गंगा, रंगोली में सुनील, मनु, संतोष विजेता रहे। बास्केटबाल प्रतियोगिता शहीद उगमसिंह क्लब एवं मल्लीनाथ क्लब के मध्य हुआ। इसमें 41-55 से मल्लीनाथ क्लब से मुकाबला जीता। दादा पोता दौड़ में विजेता मूलाराम-महिपाल, रस्सा कस्सी महिला में ग्रामीण महिला विजेता, सुंदर मूंछ प्रतियोगिता में खेताराम, साफा बांधो प्रतियोगिता में दीपसिंह भाटी, सुंदर साफा में अशोक शेरा, दंपति दौड़ में सवाईराम एवं लता विजयी रहे।

श्रीगंगानगर में छाई धुंध, विजिबिलिटी 100 मीटर

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने के साथ ही सर्दी का असर लगातार बढ़ रहा है। पिछले 3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 5 डिग्री तक गिरावट रिकॉर्ड की गई है। सुबह-शाम सर्दी बढ़ने लगी है और बारिश के बाद मौसम ठंडा होने लगा है। बुधवार को ग्रामीण इलाकों में धुंध के कारण विजिबिलिटी 100 मीटर रही। कृषि अनुसंधान केंद्र, श्रीगंगानगर पर बुधवार सुबह का न्यूनतम पारा 19.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 20.2 और अधिकतम तापमान 27.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। सोमवार को न्यूनतम तापमान 25 डिग्री व अधिकतम तापमान 37 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले 4 से 5 दिन जिले में मौसम ड्राई रहेगा और धूप रहेगी। किसानों ने बताया कि खेतों में मूंग की फसल पकने को है, जबकि नरमा और कपास की चुगाई का काम शुरू हो चुका है। आंधी और बारिश के कारण इन फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है।

दो कारों से शराब जब्त

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना पुलिस ने अवैध कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुधवार को अंग्रेजी शराब जब्त की है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

घटनाक्रम के अनुसार मुखबिर के जरिये मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने थाने के बाहर नाकेबंदी के दौरान शराब से भरी दो लग्जरी कारों को रोका और उनकी तलाशी लेने पर दोनों कारों के बोनट में छिपाकर रखी शराब की 140 बोतल जब्त की है। वहीं, तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। मुखबिर के जरिए सागवाड़ा से सीमलवाड़ा होकर गुजरात शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना पर थाने के बाहर नाकेबंदी की गई। इस दौरान दो कारें आगे पीछे आते हुए दिखाई दी। पुलिस ने दोनों कारों को रुकवाकर तलाशी ली। इस दौरान दोनों कारों के बोनट में शराब छिपाकर रखी हुई थी। जिस पर पुलिस ने दोनों कारों को जब्त किया। एक कार से शराब की 69 बोतल व दूसरी कार से 71 बोतल शराब बरामद की। पुलिस ने उदयपुर निवासी विजय सिंह, डूंगरपुर जिले के बांदेला निवासी सुभाष चंद्र लबाना और डूंगरपुर के निठाउवा निवासी दिलीप लबाना को गिरफ्तार किया है।

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम में 'साहसी मानसिकता' को बढ़ावा दिया है, जिसमें ''हार का कोई विकल्प नहीं होता''। उन्होंने लगभग तीन साल टीम से बाहर रहने के बाद अपनी अंतर्राष्ट्रीय वापसी का श्रेय गंभीर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी दिया। - वरुण चक्रवर्ती

भारतीय गेंदबाज, कोच गौतम गंभीर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **ब्रायन लारा**

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने टीम की हालिया गिरावट के लिए धन और तकनीक की कमी को ज़िम्मेदार ठहराया, लेकिन साथ ही खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन के लिए और ज़्यादा जुनून दिखाने का आह्वान भी किया। अहमदाबाद में पहले टेस्ट में भारत से वेस्टइंडीज की करारी हार के बाद, टेस्ट कप्तान रॉस्टन चेज ने कैरेबियाई टीम में 'बुनियादी ढांचे की समस्याओं' और 'वित्तीय संघर्ष' की निरंतर समस्या पर प्रकाश डाला। क्रिकेट वेस्टइंडीज की क्रिकेट रणनीति से संबंधित समिति, जिसके लारा और चेज दोनों सदस्य हैं, ने इस पर चर्चा की थी।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और वेस्टइंडीज एक दूसरे से 142 मैचों में भिड़ीं। भारत ने 72 मैच जीते जबकि वेस्टइंडीज 64 मैचों में विजयी हुई 4 मैचों में कोई नतीजा नहीं निकला 2 मैचों बराबरी पर छूटे।

बेथ मूनी के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 107 रनों से हराया

कोलम्बो, 8 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में बुधवार को पाकिस्तान पर 107 रन की जीत दर्ज की। यह ऑस्ट्रेलिया की इस टूर्नामेंट में दूसरी जीत है। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में 222 रन का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तानी टीम 36.3 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। सिद्रा अमीन ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। किम गर्थ को 3 विकेट मिले। मेगन शूट और एनाबेल सदरलैंड को 2 विकेट मिले। टॉस हारकर पहले बैटिंग कर रही ऑस्ट्रेलिया ने 76 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में बेथ मूनी ने शतकीय पारी खेलकर 50 ओवर में टीम स्कोर 221/9 पहुंचा दिया। बेथ मूनी ने 114 बॉल पर 109 रन की पारी खेली। इस पारी में 11 चौके शामिल रहे। मूनी ने अलाना किंग के साथ 9वें विकेट के लिए 106 रन की साझेदारी की। यह विमेंस वनडे क्रिकेट के इतिहास में 9वें नंबर की सबसे बड़ी साझेदारी है। पाकिस्तानी स्पिनर नाशरा संधू ने 3 विकेट झटके। कप्तान फातिमा सना और रमीन शमीम ने 2-2 विकेट लिए।

भारतीय रेसलर अमन सेहरावत पर लगा एक साल का बैन, एशियन गेम्स से भी रहेंगे बाहर

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। पेरिस ओलंपिक 2024 ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अमन सेहरावत मुश्किल में आ गए हैं। उनके ऊपर भारतीय कुश्ती महासंघ ने एक साल का बैन लगाया है। दरअसल, हाल ही में क्रोएशिया के जाग्रेब में आयोजित सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में वह डिस्क्वालीफाई कर दिए गए थे। उन्हें 57 किलोग्राम वर्ग में वजन सीमा से 1.7 किलो ज्यादा पाया गया था। इसी कारण उनके ऊपर नियम तोड़ने का आरोप लगा। अब उनके ऊपर एक साल के लिए बैन लगा दिया गया है।अमन अगले साल 19 सितंबर से 4 अक्तूबर तक जापान में होने वाले एशियन गेम्स में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। वह अब भारतीय खेल इतिहास के पहले ऐसे एथलीट बन गए हैं जिनके ऊपर ओलंपिक मेडल जीतने के बाद भी होम फेडरेशन ने बैन लगाया है। उनका ये बैन 23 सितंबर 2025 से 22 सितंबर 2026 तक जारी रहेगा। ओलंपिक पदक विजेता और दो बार के जूनियर वर्ल्ड चैंपियन अमन सेहरावत के लिए ये एक बड़ा झटका है। वहीं अमन के बैन पर कुश्ती महासंघ ने एक पत्र में कहा कि, आपको कारण बताओ नोटिस की तिथि से एक साल की अवधि के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती से जुड़ी सभी गतिविधियों से निलंबित कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि ये निर्णय अंतिम है।

राजस्थान अंडर-23 टीम घोषित रोहन राजभर को टीम की कप्तानी व राज उपकप्तान

जयपुर 8 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम का चयन राजस्थान सीनियर चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं, चैलेंजर ट्रॉफी व प्रैक्टिस मैचों में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया। राजस्थान अंडर 23 टीम के चयनित खिलाडी :-सचिन यादव, धर्मवीर सैनी, रोहन राजभर (कप्तान), राज शर्मा (उपकप्तान), करण लाम्बा, दर्शन जैन, अनिरुद्ध सिंह चौहान, मोहित छांगरा, चेतन शर्मा, दीपेंद्रसिंह, गणेश सुथार, शोभित मिश्रा, भगवान सिंह, आयुष अमेरिया, सर्वज्ञ पानेरी, मिनाफशेख।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर होंगे जसप्रीत बुमराह-साई सुदर्शन, टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग 11

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 10 अक्तूबर से दिल्ली में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। अब 10 अक्तूबर से दिल्ली में होने वाले सीरीज के दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच में भारत 1-0 की बढ़त के साथ उतरेगा। कप्तान शुभमन गिल की नजरें जहां होंगी बतौर कप्तान पहली टेस्ट सीरीज जीतने पर। वहीं प्लेइंग 11 में भी कुछ बदलाव इस मुकाबले में नजर आ सकते हैं। दो खिलाड़ी जिनको बाहर करने की संभावना है वो हैं जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन। वहीं देवदत्त पडिक्कल की एंट्री हो सकती है अगर सुदर्शन को प्लेइंग 11 से बाहर किया गया।

दरअसल, जसप्रीत बुमराह की बात करें तो एशिया कप2025 का फाइनल उन्होंने 28 सितंबर को खेला था। इसके बाद वह सीधे टीम के साथ अहमदाबाद पहुंच गए थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में उन्होंने शानदार गेंदबाजी भी की थी। अब दिल्ली टेस्ट में वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते बुमराह को आराम दिया जा सकता है। 19 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से भी वह बाहर हैं और 29 अक्तूबर से होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में मैदान पर उतरेंगे। अभी ऑस्ट्रेलिया के कठि दौरे से पहले उनको आराम देकर प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया जा सकता है। बुधवार को अभ्यास सत्र में भी कृष्णा ने लंबे समय तक बुमराह, सिराज और रेड्डी के साथ गेंदबाजी की।

साई सुदर्शन ने जरूर कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर कि चिंता बढ़ा रखी होगी। उन्होंने अपनी 7 टेस्ट पारियों में सिर्फ 147 रन ही बनाए हैं। अहमदाबाद टेस्ट में भी वह फ्लॉप रहे थे। ऐसे में अब दिल्ली टेस्ट में उनको आखिरी मौका मिलेगा। या फिर कप्तान व कोच देवदत्त पडिक्कल को आजमाना चाहेंगे। पडिक्कल की बात करें तो वह हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अनाधिकारिक टेस्ट मैच में 150 रन की पारी खेलकर आए हैं। इसके अलावा उन्होंने तीन टेस्ट पारियों में भारत के खिलाफ एक अर्धशतक भी लगाया है। जबकि सुदर्शन सात पारिया खेलकर सिर्फ एक पचासा लगा पाए हैं।

भारत की संभावित प्लेइंग 11

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल/साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह/प्रसिद्ध कृष्णा/ अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज।

ओडिशा ने महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ को 3-0 से हराया

नारायणपुर, 8 अक्टूबर। 30वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप (राजमाता जिजाबाई ट्रॉफी) के फाइनल राउंड में ओडिशा ने छत्तीसगढ़ को 3-0 से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। ओडिशा की टीम ने मंगलवार शाम खेले गए इस मैच में शुरू से ही आक्रामक फुटबॉल खेलकर दबदबा कायम रखा। पहले हाफ में ओडिशा ने दो गोलों की बढ़त बना ली। 23वें मिनट में जसोदा मुंडा ने पहला गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि 42वें मिनट में सुमित्रा हेंब्रम ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में छत्तीसगढ़ की टीम ने बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास किया। खिलाड़ी जनवी साहू, मसिपोगु पुष्पा और कप्तान प्रियंका कश्यप ने कुछ बेहतरीन मूव बनाए, लेकिन ओडिशा की मजबूत डिफेंस और गोलकीपर सस्मिता परिदा के शानदार प्रदर्शन के आगे वे गोल नहीं कर सकीं।

गोल्फ खेलने उतरे विंडीज के दिग्गज क्रिकेटर

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। खेल के सबसे प्रतिष्ठित और प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक, क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सप्ताह आईजीपीएल द्वारा संचालित एक विशेष क्रिकेट वेस्टइंडीज गोल्फ डे के साथ अपनी विरासत को सीमाओं से परे ले जाने का काम किया। वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ियों सर विवियन रिचर्ड्स, ब्रायन लारा और सर रिची रिचर्डसन के साथ-साथ वर्तमान सितारे शाई होप और रोस्टन चेज की उपस्थिति में, यह अपनी तरह का पहला नेटवर्किंग अनुभव था जो क्रिकेट के दिग्गजों, वैश्विक व्यावसायिक नेताओं और खेल जगत की हस्तियों को एक मंच पर एक साथ लाया। सीडब्ल्यूआई के दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदार, टीसीएम स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने खेल की कुछ दुर्जेय ताकतों - जिन्होंने खेल को आकार देने में मदद की - की संगति में वेस्टइंडीज क्रिकेट के उत्सव को चिह्नित किया।

30 साल बाद विश्वनाथन आनंद और गैरी कास्परोव की भिड़ंत

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और गैरी कास्परोव 30 साल बाद एक बार फिर शतरंज के मैदान में एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते हुए दिखेंगे। बुधवार से अमेरिका के सेंट लुई में क्लच शतरंज द लीजेंड्स टूर्नामेंट में आमने-सामने होंगे।इस 12 बाजी वाले शतरंज मुकाबले की कुल इनामी राशि 1,44,000 डॉलर होगी। वहीं इसका आयोजन नवीनीकृत सेंट लुई शतरंज क्लब में किया जाएगा।

साल 1995 में न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल पर क्लासिकल वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच खेलने के बाद खेल के ये दो दिग्गज रैपिड एंव ब्लिट्ज प्रारूप में एक बार फिर आमने-सामने होंगे जिसे हाल ही में फ्रीस्टाइल शतरंज नाम दिया गया है।

बता दें कि, गैरी कास्परोव ने आनंद के खिलाफ उस मुकाबले में दबदबा बनाया था और 20 बाजी का मुकाबला 10.5-7.5 से जीता था। 2004 में संन्यास लेने के बाद से कास्परोव केवल प्रदर्शनी या ब्लिट्ज प्रतियोगिताओं में ही खेले हैं जबकि आनंद अब कभी कभार टॉप प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रतिदिन चार बाजी होंगी जिसमें दो रैपिड और दो ब्लिट्ज बाजी होंगी। पहले दिन जहां चार अंक दांव पर होंगे तो वहीं दूसरे दिन ये दोगुने हो जाएंगे। प्रत्येक जीत पर दो अंक मिलेंगे। तीसरे दिन प्रत्येक बाजी जीतने पर तीन अंक मिलेंगे।

वहीं विजेता को 70,000 डॉलर यानी लगभग 62 लाख रुपये मिलेंगे जबकि हारने वाले को 50,000 डॉलर यानी लगभग 44 लाख रुपये मिलेंगे। अगर 12 बाजी के बाद मैच बराबरी पर रहता है तो इनामी राशि आधी-आधी बांटी जाएगी जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी को 60,000 डॉलर यानी करीब 35 लाख रुपये मिलेंगे। साथ ही 12 बाजी के लिए 24,000 डॉलर यानी करीब 12 लाख रुपये की बोनस राशि भी मिलेगी।

संजू को सिएट पुरुष टी-20 बल्लेबाज का पुरस्कार

मुंबई, 8 अक्टूबर।भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मंगलवार शाम सिएट क्रिकेट अवाड्र्स 2025 में सिएट पुरुष टी20आई बल्लेबाज के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मिलाने पर सैमसन ने कहा,मैं यह पुरस्कार अपनी पत्नी चारु को समर्पित करना चाहूंगा, जो मेरे जैसे ही सफर पर है। मैं यह पुरस्कार दुनिया भर के उन सभी उत्साही क्रिकेट प्रशंसकों को भी समर्पित करना चाहूंगा जिनकी वजह से हम जहाँ भी जाएँ, सुपरस्टार की तरह व्यवहार कर पाते हैं और उनके बिना यह शो चलाना नामुमकिन है। उन्होंने कहा, मैं इस अवसर पर सिएट को इतने शानदार आयोजन के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा जहां हम अपने व्यस्त कार्यक्रम से एक रात के लिए रुकते हैं, और हम क्रिकेटरों को मैदान पर उनकी उपलब्धियों के लिए सराहा जाता है। सैमसन ने कहा, इस समय, मैं खुद की भी सराहना करना चाहूंगा। मेरे जैसा एक व्यक्ति जो चुपचाप, धैर्यपूर्वक काम करता रहा और अपने सामने आने वाली सभी चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद मानसिक और शारीरिक रूप से मेहनत करता रहा। लेकिन हमेशा प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया और बाहरी शोर पर ध्यान देने के बजाय हमेशा अपने अंतर्मन पर ध्यान केंद्रित किया।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सिराज और रवीन्द्र जडेजा ने किया कमाल, कुलदीप-राहुल ने लगाई बड़ी छलांग

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। आईसीसी ने बुधवार को टेस्ट प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में कमाल की उठापटक देखने को मिली। भारत के धाकड़ तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने नया कारनामा अंजाम दिया है। उन्होंने अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद इस अपने करियर की बेस्ट रेटिंग हासिल की है। सिराज के खाते में फिलहाल 718 रेटिंग अंक हैं। वहीं वह तीन पायदान के फायदे से 12वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वहीं कुलदीप यादव ने सात स्थानों की छलांग लगाई है। वह अब संयुक्त रूप से 21वें पायदान पर आ गए हैं। उनके और पाकिस्तान के स्पिनर साजिद खान के 644-644 अंक हैं। कुलदीप ने अहमदाबाद टेस्ट में चार विकेट अपने नाम किए। मैच में तीन विकेट लेने वाले स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह टॉप पर बरकरार हैं। उनके 885 अंक हैं। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा 851 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं जबकि न्यूजीलैंड के मैट हनरी 846 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी बदलाव हुआ। अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। उनके 644 अंक हैं। वह 6 स्थान की छलांग लगाकर 25वें पर पहुंच गए हैं। 36 वर्षीय जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में नाबाद शतक जड़ने के अलावा चार विकेट लिए थे। वह प्लेयर ऑफ द मैच रहे। दाएं हाथ के बल्लेबाज केएल राहुल ने भी शतक जमाया था और वह टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में चार स्थान चढ़कर 35वें स्थान पर चले गए हैं। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट की बादशाहत कायम है। वह 908 अंकों के साथ टॉप पर हैं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर अंडर-19 चार दिवसीय सीरीज 2-0 से जीती

मैकाय, 8 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 और भारत अंडर 19 के बीच दूसरे चार दिवसीय मैच में शुरू से अंत तक तेज गेंदबाज़ों और स्पिनरों दोनों का दबदबा रहा। यह मैच महज दो दिनों के अंदर ही समाप्त हो गया। भारतीय टीम ने इस मुक़ाबले में जबरदस्त जीत हासिल की है। पहले मैच में ब्रिस्बेन की परिचित परिस्थितियों में भी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ी इकाई ने ख़ास प्रदर्शन नहीं किया था। उस मैच में उन्होंने पहली पारी में 243 और फिर 127 रन बनाए थे। उस मैच में मेजबान टीम को एक पारी और 58 रनों की बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि उस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कई मौक़ों पर वापसी का अच्छा प्रयास किया था। हालांकि दूसरे मैच में ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला। सिर्फ़ विकेटकीपर-बल्लेबाज़ एलेक्स ली यंग ही बल्ले से अपनी क्लास दिखा पाए, लेकिन उन्हें अन्य किसी खिलाड़ी का साथ नहीं मिला।

भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले के लिए तैयार

विशाखापत्तनम, 8 अक्टूबर। क्रिकेट प्रेमियों के लिए कल एक शानदार मौका है जब भारतीय महिला टीम डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में आईसीसी महिला विश्व कप के एक अहम मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की महिलाओं से भिड़ेगी। मैच दोपहर 3 बजे शुरू होगा और देखने से लग रहा है कि पहला गेंद फेंके जाने से काफी पहले ही ड्रामा शुरू हो जाएगा।

भारत की उम्मीदें स्मृति मंधाना पर टिकी हैं, जो एक ऐसी बल्लेबाज हैं जो इतनी शानदार बल्लेबाजी करती हैं कि कम ही लोग उनकी बराबरी कर पाते हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे में 54 की औसत और तीन शतकों और पांच अर्धशतकों के साथ मंधाना न सिर्फ फॉर्म में हैं, बल्कि पूरी तरह से नियंत्रण में भी हैं। प्रतीका रावल शीर्ष क्रम में उनका साथ देंगी और टीम को मजबूती प्रदान करेंगी, जबकि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली हरलीन देओल तीसरे स्थान पर रहेंगी।

हरमनप्रीत कौर, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष का मध्यक्रम पलक झपकते ही मैच पलटने की ताकत रखता है, लेकिन उन्हें प्रोटियाज की फॉर्म में चल रही गेंदबाजी का धैर्य और संयम से सामना करना होगा। फॉर्म की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका की कमान अजेय ताजमिन ब्रिट्स के हाथों में होगी। अपनी पिछली पांच विश्व कप पारियों में चार शतक-जी हाँ, चार!

ब्रिट्स क्रीज पर तूफानी रही हैं, और भारतीय गेंदबाजों को उनकी लय को थामने के लिए कुछ खास करना होगा। लॉरा वोल्वार्ट और सुने लुस लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, जबकि मारिज़ैन काप का ऑलराउंड प्रदर्शन और नॉनकुलुलेको म्लाबा की सटीकता प्रोटियाज को संतुलन प्रदान करती है। वीडीसीए की पिच सभी के लिए कुछ न कुछ प्रदान करती है। बल्लेबाजों को अपने स्ट्रोक्स का शुरुआती फायदा मिलता है। लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ता है, सतह धीमी होती जाती है, जिससे स्पिनरों को ज़्यादा मदद मिलती है। इतिहास गवाह है कि लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को बढ़त हासिल होती है-यहां पंद्रह में से दस वनडे मैच दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम के खाते में गए हैं।

जयपुर की जीत के हीरो रहे पद्मनाभ सिंह

जयपुर, 8 अक्टूबर। पीपीसी पोलो ग्राउंड पर पहला मैच डायनामिक अचीवर्स ओर सुहाना ऑल स्टार पोलो टीम के बीच खेला गया जिसमें डायनामिक अचीवर्स ने सुहाना ऑल स्टार पोलो टीम को 3 के मुकाबले 6 गोल से हराया।सुहाना ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से ध्रुवपाल गोदारा ने 2 गोल ओरलियोरेट ने अपनी टीम के लिए 1 गोल किया। डायनामिक अचीवर्स की ओर से सवीर मेहराज ने 2 गोल, डेनियल ओटमेडी ने 3 गोल किए जबकि शमशीर अली ने अपनी टीम के लिए 1 गोल कर जीत पक्की कर दी। रामबाग पोलो ग्राउंड पर जयपुर पोलो ओर कानोता पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें जयपुर पोलो टीम ने कानोता पोलो टीम को 2 के मुकाबले 8 गोलों से हराया। जबकि कानोता पोलो टीम की ओर से प्रताप सिंह ओर डीनो धनखड़ ने 1-1 गोल किए। जयपुर पोलो टीम की ओर सेदेवरथ सिंह ओर लांस वाटसन ने 1-1 गोल, महाराज पद्मनाभ सिंह ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 6 गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई।

श्री गुर इकबाल स्मृति पुरुष एवं (स्व.) नरेन्द्र कौर भुल्लर स्मृति (महिला) सिक्स-ए-साइड हॉकी प्रतियोगिता आरंभ

जयपुर, 8 अक्टूबर। एस. एम.एस स्टेडियम जयपुर पर खेली जा रही इन प्रतियोगिताओं में महिला वर्ग का पहला मैच रैड रेन्जर बनास पिंकसिटी क्लब के मध्य खेला गया, मैच नो गोल रहित रहा। पुरुष वर्ग का पहला मुकाबला प्रताप क्लब बनाम वीर शिवा क्लब का था। तेजगति से खेला गया यह मुकाबला भी गोलरहित रहा।

पुरुष वर्ग का दूसरा मुकाबला रायल क्लब डस्टार क्लब के बीच खेला गया। खेल के तीसरे मिनट में स्टार क्लब ने गोल कर 1-0 से बढ़त बनाली। चौथे मिनट मे रायल क्लब ने गोल बराबर कर स्कोर 1-1 बराबर कर लिया। स्टार क्लब खिलाड़ी तीसरा गोल कर स्कोर 2-1 कर लिया । स्टार क्लब ने 12वे व 16वे मिनट में गोल कर स्टार क्लब: 5 व रायल क्लब 2 परिणाम रहा।

इस प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में 8 टीमें जबकि महीला बर्ग में 6 टीमें भाग ले रही है। इन टीमों को प्रत्येक वर्ग मे पुलों में बांटा गया है। प्रत्येक वर्ग (पुरुष व महिला) में दोनो पुलों की विजेता टीमों के मध्य फाइनल मुकाबला खेला जायेगा।

इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन मेजर जनरल (रिटा)संजय गुप्ता द्वारा किया गया तथा स्व- गुर इकबाल सिंह भुल्लर एवं स्वं मरेन्द्र कौर भुल्लर के चित्रों पर पुष्पास्नान अर्पित की गई। आयेजन सचिव एवं पूर्व अन्तराष्ट्रीय हॉकीखिलाडी दलजीत सिंह ने समस्त खिलाडियों एवं आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया गया।

बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान ने पॉन्डिचेरी को हराया

राजस्थान की जीत में सुमित्रा जाट चमकी

जयपुर, 8 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार आज नागपुर में खेले गए बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी20 ट्रॉफी मैच में राजस्थान ने पॉन्डिचेरी को 8 विकेट से हराया। राजस्थान की जीत में सुमित्रा जाट का शानदार प्रदर्शन।

उत्तराखंड पारी 97/5, टीम के लिए सालोंकार नाबाद 44 व दिव्या 18 रन - राजस्थान की गेंदबाज सोनल कलाल 15 /2 , अक्षिता माहेश्वरी , सुमन मीणा व शानू प्रत्येक 1-1 विकेट। राजस्थान पारी 99/2, टीम के लिए सुमित्रा जाट नाबाद 43, आयुषी गर्ग 26 व डिम्पल कँवर नाबाद 18 रन। उत्तराखंड की गेंदबाज अमृता 21/1 विकेट। राजस्थान - उत्तराखंड अंडर 19 वीमेन प्रैक्टिस मैच :- आरसीए अकादमी - राजस्थान - उत्तराखंड अंडर 19 वीमेन अभ्यास मैच (उत्तराखंड जीती), उत्तराखंड पारी152/2, टीम के लिए दृति आनंद नाबाद 63, सोना 35 व तन्वी 32 रन, राजस्थान की गेंदबाज प्रीत व निष्ठा 1-1 विकेट। राजस्थान पारी145/5, राजस्थान के लिए धृति माथुर नाबाद 55 , प्रतीक्षा 25 रन। उत्तराखंड के गेंदबाज तन्वीतोमर, प्रिया 2 - 2 विकेट।

अंडर 16 प्रतियोगिता (आज खेल गए मैच) जीआरग्राउंड बूंदी -राजसमंद (राजसमंद 11 रन से जीती), राजसमंद पारी 72 आल आउट। टीम के लिए प्रियवंश राजपुरोहित 20 रन। बूंदी के गेंदबाज समीर चौधरी 15/5 व भव्य माहेश्वरी 21/4 विकेट। बूंदी पारी 61 आल आउट। टीम के लिए समीर चौधरी 17 रन, राजसमंद के गेंदबाज दिलेक भटनागर 16/4, भरत साल्वी 10/3 व भीष्म 1 /2 विकेट।

अरावली ग्राउंड टोंक - जालोर (टोंक 139 रन से जीती) - टोंक पारी 255 आल आउट, टीम के लिए सईद अजीन 46, अभिनव शर्मा 34, आर्यन 32 व यश शर्मा 22 रन, जालोर के गेंदबाज सुमित 31/3, अक्षय 40/2 विकेट। जालोर पारी 116 आल आउट, टीम के लिए भूरा राम 39, अक्षय वैषणव 22 रन, टोंक के गेंदबाज आरव चोपड़ा 28/4, आर्यन सिंह 0/3 विकेट।

जोकोविच शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

शंघाई, 8 अक्टूबर। नोवाक जोकोविच ने अपने बाएँ टखने के दर्द, शंघाई की उमस और जौम मुनार की चुनौती को पार करते हुए 11वीं बार शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो घंटे 40 मिनट तक चले मुकाबले के दौरान सर्बियाई खिलाड़ी को पैर की समस्या के कारण कई बार मेडिकल टाइमआउट मिले और मंगलवार को 82 प्रतिशत से ज़्यादा उमस के साथ, उन्होंने मैच बदलने के दौरान बार-बार अपने सिर पर बर्फ़ का तौलिया रखा।

राज्य सब जूनियर हैंडबॉल में जयपुर की लड़कियां चैम्पियन

जयपुर, 8 अक्टूबर। जयपुर की लड़कियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बुधवार को हनुमानगढ़ में संपन्न हुई 30वी राजस्थान राज्य सब जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता के खिताबी मुकाबले में मेजबान हनुमानगढ़ को 26-21 से हराकर ख़िताब जीता। मध्यांतर तक विजेता टीम 11-08 से बढ़त बनाये हुए थी। वही जयपुर के बालको ने तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में सीकर को 17-13 (8-9) से हराया।

बालक वर्ग के फाइनल में बीकानेर ने गंगानगर को 25-22 (14-12) से हराया। बालिका वर्ग में तीसरे टोंक रही। जिसने भीलवाड़ा को 7-0 (01-00) से हराया। जयपुर की कप्तान एकता कंवर बालिका वर्ग की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी तथा बालक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बीकानेर का गोविंद रहा। दोनों खिलाड़ियों को स्वर्गीय अमृत कुमार नाटा एवं स्वर्गीय इरफ़ान अली गौड़ की स्मृति में राज्य हैंडबॉल संघ द्वारा 2100-2100 रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष डा. मनीष अग्रवाल, मानद सचिव अरुण प्रताप सिंह सहित समस्त कार्यकारिणी ने बालिका एवं बालक टीम की उपलब्धि की सराहना करते हुए सभी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को बधाइयाँ दी है।

जयपुर की टीमे:- बालक वर्ग:- नाहर सिंह (कप्तान), यश यादव, रोशन यादव, हनुमान मीना,यश कुमार मीना, रुद्राक्ष प्रताप सिंह, राहुल कुमार, ब्रज मोहन, दिव्य शर्मा, रवि चौधरी, सुरेश कुमार व तनीश सैनी।

बालिका वर्ग:- एकता कंवर (कप्तान), काजल गुर्जर, वर्षा जाखड़, विशाखा जाट, अन्नू कंवर, अस्मिता गुर्जर, भव्या राजावत, अक्षरा चौहान, भावना, अनंता सिंह, जीविका दास व ऋग्वेदिका प्रधान।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सूरत में प्रवासी राजस्थानियों के साथ राउंड टेबल मीटिंग की

मीटिंग में उद्यमियों ने विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में संयुक्त उद्यमों व निवेश के प्रति उत्साह दिखाया

सूरत/जयपुर, 8 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को गुजरात के सूरत में "प्रवासी राजस्थानी मीट" के तहत आयोजित सेक्टोरल राउंड टेबल मीटिंग की अध्यक्षता की। उन्होंने टेक्सटाइल,

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल ने विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों को भीलवाड़ा, जयपुर, बाँसवाड़ा, भिवाड़ी, नीमराना, अलवर तथा अन्य क्षेत्रों में उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सूरत में "प्रवासी राजस्थानी मीट" के तहत आयोजित सेक्टोरल राउंड टेबल मीटिंग में उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश में निवेश को लेकर चर्चा की।

सिरेमिक, फार्मास्यूटिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स और रत्न एवं आभूषण उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश में निवेश को लेकर चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान के मजबूत औद्योगिक आधार, सुदृढ़ बुनियादी ढांचे, सुविधाएं और निवेशक-अनुकूल नीतियां प्रदेश को निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाती हैं। शर्मा ने टेक्सटाइल क्षेत्र के प्रतिनिधियों से कहा कि भारत के वस्त्र निर्यात में राजस्थान 10 प्रतिशत का योगदान देता है। उन्होंने उद्यमियों को भीलवाड़ा, जयपुर और बांसवाड़ा सहित राजस्थान के कपड़ा समूहों के साथ कार्य करने के लिए आमंत्रित किया।

शर्मा ने फार्मास्यूटिकल क्षेत्र के प्रतिनिधियों से कहा कि भिवाड़ी, नीमराना और अलवर के फार्मा क्लस्टर, समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के जरिए निर्बाध कनेक्टिविटी से मजबूत हुए हैं। साथ ही, उन्होंने पचपदरा रिफाइनरी और राजस्थान पेट्रो जोन का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश रसायन और पेट्रोकेमिकल्स के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने जयपुर के बुनियादी निर्यात ढांचे और सीतापुरा विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) पर भी प्रकाश डाला और उद्यमियों को रत्न और आभूषण उद्योग के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया।

शर्मा ने सूरत के उद्यमियों से "राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स)-2024" सहित राज्य की निवेशक-अनुकूल नीतियों के तहत, निवेश की संभावनाओं को तलाशने का आ ान किया। साथ ही, राउंड टेबल मीटिंग के दौरान, उद्योग प्रतिनिधियों ने भी प्रदेश के विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में संयुक्त उद्यमों और निवेश के अवसरों पर उत्साह प्रकट किया।

अमित शाह ने स्वदेशी ईमेल का उपयोग शुरु किया

नयी दिल्ली, 08 अक्टूबर। गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक तौर पर अपने ईमेल संचार के लिए स्वदेशी ई मेल सॉफ्टवेयर सेवा ज़ोहो मेल का इस्तेमाल शुरू कर दिया है।

शाह ने बुधवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में ज़ोहो मेल पर अपना नया ईमेल पता साझा किया और अनुरोध किया कि भविष्य में सभी पत्राचार इसी ई मेल पर किये जाएं।

■ **वे ज़ोहो मेल का उपयोग कर रहे हैं।**

उन्होंने कहा, "सभी को नमस्कार मैंने ज़ोहो मेल का उपयोग शुरू कर दिया है। कृपया मेरे ईमेल पते में हुए बदलाव पर ध्यान दें। मेरा नया ईमेल पता अमितशाह.बीजेपीजोहोमल.इन है।

उल्लेखनीय है कि ज़ोहो एक भारतीय बहुराष्ट्रीय तकनीकी कंपनी है जो क्लाउड-आधारित व्यावसायिक सॉफ़्टवेयर के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखती है। इसकी शुरूआत 1996 में श्रीधर वेम्बू और टोनी थॉमस ने की थी। ज़ोहो के प्रमुख मैसेजिंग ऐप अराटाई पर पिछले तीन दिन में नए साइन-अप में भारी वृद्धि देखी गई है, जो प्रतिदिन 3,000 से बढ़ कर 3,50,000 हो गई है। इसने ऐप को सोशल नेटवर्किंग श्रेणी में भारत में एप्पल ऐप स्टोर के शीर्ष पर पहुंचा दिया है।

स्थानीय मान्यताएँ व इकोलॉजी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाइपोथर्मिया के लक्षण दिखाई देने लगे।

अक्टूबर के चीनी त्योहारी मौसम के दौरान, भारी संख्या में पर्यटक हिमालय के पूर्वी ढलानों के ऊँचे हिस्सों में ट्रेकिंग करने निकले थे।

वहीं दूसरी तरफ, नेपाल में, बरसात शुरू होते ही पर्वतारोहण परमिट रोक दिया जाता है। नेपाल के लोग हिमालय के मौसम चक्र से परिचित हैं और सदियों पुरानी प्रथाओं का पालन करते हैं।

लेकिन चीनी अधिकारी हिमालय से अपरिचित हैं। बीजिंग से आए उच्च अधिकारी अपने एक समान विकास मॉडल को तिब्बत और पर्वतों पर भी लागू करने की कोशिश कर रहे थे और इसी के परिणामस्वरुप, यह विनाशकारी हादसा हुआ।

तिब्बत पर कब्जा करने और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में बड़ी संख्या में हान चीनी लोगों को लाने के बाद, चीनियों ने तिब्बत के नाज़ुक हिमालयी क्षेत्रों में भी उसी तरह का नासमझी भरा विकास करने की कोशिश की। मेनलैण्ड चीनी लोगों ने 16,000 फीट से ऊपर के क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए व्यापक पर्यटन सुविधाओं का निर्माण किया है।

नतीजा यह हुआ कि अनभिज्ञ लोग इन अति संवेदनशील और कठिन इलाक़ों में घुस गए, जिससे पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ रहा है। पर्वत इतने बड़े पैमाने पर पर्यटन का बोझ नहीं उठा पा रहे हैं, क्योंकि पर्यटक हर तरह की सुविधाओं की मांग करते हैं, ऐसे इलाके में, जहाँ पर वह सब उपलब्ध नहीं है।

हिमालय के ऊपरी हिस्से में वनस्पति नहीं है। यहाँ भारी बर्फ़बारी होती है और रात में तापमान माइनस 30 डिग्री तक गिर सकता है। तेज़ हवाएँ तापमान को और घटा देती हैं।

माउंट एवरेस्ट और हिमालय का मौसम चक्र अनोखा है। मानसून के महीनों में यहाँ बारिश होती है और मानसून के बादल भारतीय उपमहाद्वीप के कोने-कोने में छाए रहते हैं। मानसून हिमालय में बर्फीले तूफानों के रूप में फैलता है।

यह चेतावनी नई नहीं है। लगभग 100 साल पहले, 1920 के दशक में जब ब्रिटिश लोग एवरेस्ट पर चढ़ने की योजना बना रहे थे, तब भी विशेषज्ञों ने चिंता जताई थी कि इस क्षेत्र में बहुत अधिक लोग आने से खतरा बढ़ सकता है।

उस समय रॉयल जियोग्राफिकल सोसाइटी की टीमें एवरेस्ट पर चढ़ाई के मामले में बेहद सतर्क थीं।

बिहार चुनाव में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। लेकिन समानता यहीं तक सीमित है।

आप एक जन आंदोलन से पैदा हुई थी, जबकि जन सुराज पार्टी महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर आधारित एक दीर्घकालिक सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन लाने का प्रयास कर रही है। जहाँ, केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद पाने की जल्दी थी, वहीं, प्रशांत किशोर लंबी राजनीतिक यात्रा के लिए तैयार दिखाई देते हैं। केजरीवाल ने भ्रष्ट नेताओं पर प्रहार करते हुये, 'भ्रष्टों की गैलरी' जारी करके भ्रष्ट नेताओं पर निशाना साधा था और अदालती मामलों के बाद उन्हें अपने आरोप वापस लेने पड़े थे। वहीं, प्रशांत किशोर ने भी भाजपा और जदयू नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर एवं सनसनीखेज आरोप लगाए हैं और अपने आरोपों के समर्थन में दस्तावेजी सबूत भी पेश किए हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में लालू प्रसाद यादव की आरजेडी ने भाजपा के खिलाफ आप के समर्थन में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। लेकिन बिहार में आप ने आरजेडी के लिए वैसा ही सम्मान नहीं दिखाया है। हालांकि इससे न तो आरजेडी और महागठबंधन को कोई खास फर्क पड़ने की सम्भावना है, और न जन सुराज पार्टी को।

बार-बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चौधरी ने अदालत को बताया कि कमल सिंह चौधरी नवंबर, 1985 में उच्च शिक्षा में बतौर शिक्षक नियुक्त हुआ था। वहीं, जुलाई, 1992 में उसे इस पद पर नियमित किया गया। इस पर उसने यूजीसी के पे-स्केल के आधार पर वेतन देने के लिए एकलपीठ में याचिका पेश की। जिसे अदालत ने साल 2013 में स्वीकार करते हुए विभाग को प्रथम नियुक्ति तिथि से गणना कर यूजीसी का पे-स्केल देने को कहा। इस आदेश के खिलाफ दायर विभाग की अपील को भी हाईकोर्ट की खंडपीठ ने जनवरी, 2016 में खारिज कर दिया था।

कितागावा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अवधारणाओं का एक ढाँचा भी शामिल है, जिसने इस पूरे क्षेत्र की स्थापना को आगे बढ़ाया है।

रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा हर साल रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट खोजों के लिए दस दिसंबर को दिया जाता है। नोबेल प्राप्त करने वाले वैज्ञानिकों को इनाम के तौर पर कुल 11 मिलियन स्वीडिश क्राउन (साढ़े आठ करोड़ रुपये) की राशि सम्मान के रूप में दी जाती है। अगर एक जैसी खोज के लिए एक से अधिक वैज्ञानिकों को भागीदारी में नोबेल प्राइज मिलता है तो इस स्थिति में पुरस्कार राशि को उनमें वितरित कर दिया जाता है।

जुबीन का चचेरा भाई डीएसपी संदीपन गिरफ्तार

गुवाहाटी, 08 अक्टूबर। सिंगापुर में समुद्र में हुई एक दुर्घटना में असम के प्रतिभाशाली गायक जुबीन गर्ग की दुखद और रहस्यमयी मौत को बुधवार को 20 दिन पूरे हो गए। यह मामला अभी भी रहस्य में डूबा हुआ है। इस बीच बुधवार को असम पुलिस ने मामले में पांचवीं गिरफ्तारी की।

इसके अलावा, असम पुलिस की सीआईडी की विशेष जांच टीम (एसआईटी) सिंगापुर में रहने वाले सात गैर-निवासी असमियों को दूसरी बार नया समन जारी करने वाली है, जो नौका पार्टी के आयोजन में शामिल थे और ज़ुबीन की मौत के दौरान मौजूद थे। जानकारी के मुताबिक, बुधवार को गिरफ्तार किया गया शख्स संदीपन गर्ग है, जो ज़ुबीन गर्ग का चचेरा भाई है और असम पुलिस सेवा (एपीएस) में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर कार्यरत है। वह ज़ुबीन की मौत के समय उसके साथ था।

संदीपन गर्ग की गिरफ्तारी के साथ, ज़ुबीन गर्ग की मौत के समय उनके साथ मौजूद अब तक कुल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीआईडी के विशेष पुलिस महानिदेशक और एसआईटी प्रमुख मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने मीडिया को बताया, कि संदीपन को अदालत में पेश किया और आगे की पूछताछ के लिए 14 दिनों की पुलिस हिरासत मांगी। लेकिन कामरूप सीजेएम कोर्ट ने एसआईटी को संदीपन गर्ग के लिए 14 दिनों के बजाय सात दिनों की पुलिस रिमांड दी।"

कांग्रेस ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अयोग्य करार दिया गया और पिछले दिनों उनकी विधानसभा की सदस्यता रद्द कर दी थी। भाया गत विधानसभा चुनाव में मीणा से चुनाव हार गये थे। अब उपचुनाव में उन्हें फिर मौका दिया गया हैं।

एसआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की एसएलपी पर 24 सितंबर के आदेश से हाईकोर्ट की खंडपीठ के 8 सितंबर के उस अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी थी। वहीं खंडपीठ को कहा था कि वह इस मामले में दायर अपीलों का निपटारा तीन महीने में करे। इसके अलावा यह भी स्पष्ट किया था कि खंडपीठ के समक्ष मूल अपीलों में अंतिम फैसला नहीं होने तक किसी भी चयनित अभ्यर्थी को ट्रेनिंग नहीं दी जाए।

जैसे-जैसे चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था। कई वर्षों के प्रयासों के बावजूद, भाजपा के कड़े विरोध के कारण टीएमसी त्रिपुरा में अपनी मजबूत पकड़ नहीं बना सकी।

दूसरी ओर, ममता बनर्जी ने इस समय चुनाव आयोग द्वारा की जा रही मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया पर सवाल उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य की स्थिति पर निशाना साध रहे हैं और इन घटनाओं से निपटने के लिए "विशेष कदम" उठाने की बात कर रहे हैं।

ममता बनर्जी ने कहा कि गृह मंत्री 2025 के चुनावों में व्यापक चुनावी जोड़-तोड़ के जरिए विपक्षी नेताओं को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने अमित शाह की तुलना "आधुनिक मीर जाफर" से की।

हाल के दिनों में अमित शाह लगातार हमलावर रुख में हैं। ममता बनर्जी को आशंका है कि अगर केन्द्र सरकार के प्रस्ताव मान लिए गए, तो उनका जनाधार प्रभावित हो सकता है।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका में अधिवक्ता सुमन शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को राजस्थान विश्वविद्यालय का कर्मचारी होने के आधार पर विवि प्रशासन ने एक साल के लिए आवास आवंटित किया था। एक साल की अवधि पूरी होने के बाद उसे आवास खाली करने का नोटिस दिया गया और उस पर करीब डेढ लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि विवि प्रशासन की ओर से उसके साथ भेदभाव किया जा रहा है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908